आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

आ रहे हैं 'राम'

वर्ष : 26 | अंक : 21 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 11 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

'प्राण-प्रतिष्ठा दिवस' पर अयोध्या में उतरेंगे 100 चार्टर्ड विमान

रामायण ज्ञान का मार्ग है जो हमें श्रीराम से जोड़ता है : योगी

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 22 जनवरी को 'राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने के लिए लगभग 100 चार्टर्ड विमान अयोध्या हवाई अड्डे पर उतरेंगे। यह हमें अयोध्या हवाई अड्डे की क्षमता की जांच करने का रास्ता भी दिखाएगा।' मुख्यमंत्री ने आज अहमदाबाद से अयोध्या के लिए सीधी उड़ान शुरू करने के मौके पर यह बात कही। सीएम योगी ने कहा, 'मैं उत्तर प्रदेश को चौथा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभारी हूं। अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन 30 दिसंबर को किया गया था।' 30 दिसंबर 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवनिर्मित अयोध्या हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मिकी की रामायण ज्ञान का मार्ग है जो हमें श्री राम से जोड़ता है।

अहमदाबाद और अयोध्या के बीच हवाई उड़ान शुरू

बता दें, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय मंत्री वीके सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आज अहमदाबाद और अयोध्या के बीच पहली त्रि-साप्ताहिक उड़ान शुरू की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अहमदाबाद और अयोध्या के बीच पहली त्रि-साप्ताहिक उड़ान के लिए बोर्डिंग पास मिला। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, 'पीएम मोदी और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने 30 दिसंबर को अयोध्या एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया।' उन्होंने कहा, 'हमने 30 दिसंबर को अयोध्या और दिल्ली के बीच पहली उड़ान शुरू की, जो इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित थी। आज हम अयोध्या को अहमदाबाद से जोड़ने जा रहे हैं।' इस बीच अहमदाबाद एयरपोर्ट पर जैसे ही अयोध्या के लिए पहली उड़ान अहमदाबाद से रवाना हुई, यात्री भगवान राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की पोशाक पहनकर एयरपोर्ट पर पहुंचे।

कांग्रेस हिन्दू धर्म व हिन्दुत्व के खिलाफ : भाजपा

"कांग्रेस द्वारा अयोध्या में राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल होने का निमंत्रण अस्वीकार करने पर, भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'यह नेहरू की कांग्रेस है, यह गांधी की कांग्रेस नहीं है। महात्मा गांधी 'रघुपति राघव राजा राम' गाते थे और आज कांग्रेस है 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं। इससे पता चलता है कि कांग्रेस हिंदू धर्म और हिंदुत्व के खिलाफ है।' भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस ने नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। कांग्रेस ने जी20 शिखर सम्मेलन का बहिष्कार किया...2004 के बाद 2009 तक, कांग्रेस ने बहिष्कार किया कारगिल विजय दिवस. अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के नेतृत्व में मई 1998 में किए गए पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद कांग्रेस ने 10 दिनों तक कोई बयान नहीं दिया. कांग्रेस ने अपनी पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के भारत रत्न समारोह का भी बहिष्कार किया था। जनता भी उनका सत्ता से बहिष्कार कर रही है।

नेपाल के जनकपुर से 3000 से अधिक उपहार अयोध्या पहुंचे

नेपाल के जनकपुर में मां सीता की जन्मभूमि से भगवान राम के लिए 3,000 से अधिक उपहार अयोध्या पहुंचे हैं। चांदी के खड़ाऊं, आभूषण और कपड़ों सहित तमाम उपहारों को इस सप्ताह जनकपुर धाम रामजानकी मंदिर से लगभग 30 वाहनों के काफिले में अयोध्या लाया गया।

जनकपुर से आए उपहार

श्रीलंका का एक प्रतिनिधिमंडल भी अशोक वाटिका से एक विशेष उपहार के साथ अयोध्या आया। इस प्रतिनिधिमंडल ने महाकाव्य रामायण में वर्णित अशोक वाटिका की एक चट्टान भेंट की है।

मंदिर के लिए ताला-चाबी

अलीगढ़ के ताला बनाने वाले सत्य प्रकाश शर्मा ने 10 फीट ऊंचे, 4.6 फीट चौड़े, 9.5 इंच मोटे और 400 किलोग्राम वजनी ताला-चाबी तैयार किया है। उन्होंने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा ताला और चाबी है। मैंने इसे राम मंदिर ट्रस्ट को उपहार में दिया है ताकि इसे मंदिर में प्रतीकात्मक ताले के रूप में इस्तेमाल किया जा सके।

पादुका और घंटी

अगरबत्ती तैयार करने वाली वडोदरा निवासी विहा भरवाड ने न्यूज एजेंसी को बताया- यह पर्यावरण के अनुकूल है और करीब डेढ़ महीने तक चलेगी। इसकी सुगंध कई किलोमीटर तक फैलेगी। उन्होंने कहा कि अगरबत्ती को बनाने में 376 किलोग्राम गुग्गुल (गोंद राल), 376 किलोग्राम नारियल के गोले, 190 किलोग्राम घी, 1470 किलोग्राम गाय का गोबर, 420 किलोग्राम जड़ी-बूटियां इस्तेमाल की गई हैं। अगरबत्ती की ऊंचाई कुतुब मीनार की लगभग आधी है। भरवाड और 25 अन्य लोग 1 जनवरी को विशाल अगरबत्ती के साथ वडोदरा से रवाना हुए हैं। उनका काफिला 18 जनवरी को अयोध्या पहुंचेगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2023

नोएडा को मिला दूसरा स्थान

नई दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)।

अखिल भारतीय स्वच्छता सर्वेक्षणी-2023 में आज देश भर के 1 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में नोएडा को द्वितीय स्थान हासिल हुआ है। वहीं गार्बेज फ्री सिटी की कैटेगरी में नोएडा को फाइव स्टार रैंकिंग मिली है तथा पहली बार नोएडा को वाटर प्लस के रूप में भी प्रमाणित किया गया है।

नई दिल्ली में आज भारत मंडपम में आयोजित अखिल भारतीय स्वच्छता सर्वेक्षण-2023 की घोषणा के दौरान नोएडा को गारबेज फ्री सिटी के श्रेणी में 5 स्टार रैंकिंग का सर्टीफिकेट दिया गया। यह सर्टीफिकेट केन्द्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम को प्रदान किया।

दिल्ली के भारत मंडपम में आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित स्वच्छता सर्वेक्षण के परिणामों की घोषणा की गई। कार्यक्रम में देश की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने इंदौर को 7वीं बार सबसे स्वच्छ शहर का अवार्ड दिया।

बता दें कि पूर्व के वर्ष में 10 लाख की आबादी के वर्ग में नोएडा को 5वां स्थान मिला था। जबकि देश के सभी (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा में बैठकर अमेरिका के नागरिकों से ठगी, फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

नोएडा (चेतना मंच)। एसटीएफ लखनऊ और थाना सेक्टर-58 पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सेक्टर-59 में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यहां से 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी टेक्निकल सपोर्ट के नाम पर अमेरिका के नागरिकों के साथ धोखाधड़ी कर रहे थे।

एसटीएफ लखनऊ को सूचना मिली कि सेक्टर-59 के सी ब्लॉक में एक कॉल सेंटर के जरिए यूएस (अमेरिका) के नागरिकों से टेक्निकल सपोर्ट के नाम पर ठगी की जा रही है। एसटीएफ लखनऊ की टीम ने थाना सेक्टर-58 पुलिस के साथ मिलकर कॉल सेंटर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान कॉल सेंटर का मुख्य संचालक साजिद मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने यहां से संजीत, अफरोज सहित 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यहां से डेस्कटॉप, मोबाइल फोन सहित अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी इंटरनेट (शेष पृष्ठ-3 पर)

ग्रेटर नोएडा में बाइक सवार को गोली मार कर उतारा मौत के घाट

ग्रेट नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के नारायण गोल चक्कर के पास गुरुवार को दिन दहाड़े बदमाशों ने एक बाइक सवार को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया है। दिन दहाड़े गोलीबारी की इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

ग्रेटर नोएडा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम कासना निवासी सुखपाल अपनी बाइक से नारायण गोल चक्कर से जा रहा था। इस दौरान पीछे से बाइक पर आए बदमाशों ने उस पर फायरिंग कर दी। बदमाशों द्वारा चलाई गई गोलियां सुखपाल के सिर तथा पीठ में जा लगी, जिससे वह वह मोटरसाइकिल से नीचे गिर गया। सुखपाल को मरा हुआ समझकर बाइक सवार बदमाश हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। किसी राहगीर ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मेट्रो स्टेशन के नीचे मिला शव

ग्रेट नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के सेक्टर डेल्टा-1 में मेट्रो स्टेशन के नीचे एक व्यक्ति का शव मिला है मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस शव का पोस्टमार्टम करा रही है। थाना प्रभारी पुष्पराज सिंह ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि डेल्टा-1 सेक्टर के मेट्रो स्टेशन के नीचे एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच को पता चला है कि उक्त व्यक्ति स्टेशन के आसपास ही घूमता रहता था और रात में स्टेशन के नीचे ही सो जाता था।

ऊंचाई से गिरकर वेल्डर की मौत

ग्रेट नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना क्षेत्र के सिरसा में निर्माणाधीन फैक्ट्री में वेल्डिंग का काम कर रहे एक व्यक्ति की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना प्रभारी देवेंद्र शंकर पांडे ने बताया कि मूल रूप से हिम्मतपुर जनपद रामपुर निवासी शमशाद पुत्र अल्लाह बख्श कासना कस्बे में रहता था वह वेल्डिंग का काम करता था। बुधवार को शमशाद सिरसा

चौकी क्षेत्र में निर्माणाधीन एक फैक्ट्री की दूसरी मंजिल पर वेल्डिंग का काम कर रहा था। इस दौरान संतुलन बिगड़ने के कारण वह नीचे जमीन पर आ गिर। ऊंचाई से गिरने के कारण शमशाद गंभीर रूप से घायल हो गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

लापता किशोरी मिली

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 पुलिस ने बीते दिनों संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुई किशोरी को बरामद कर लिया है किशोरी को अगवा करने वाले आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र से एक सप्ताह पूर्व संदिग्ध स्थिति में लापता हुई किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है। इस संबंध में किशोरी के पिता ने बीते दिनों थाने में अपने ही (शेष पृष्ठ-3 पर)

सट्टा खिलाते गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-18 के पास बसी झुग्गी बस्ती में सट्टे की खाईबाड़ी कर रहे एक सट्टेबाज को थाना सेक्टर-20 पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान सूचना मिली कि सेक्टर-18 की झुग्गी बस्तियों में शौचालय के पास एक युवक सट्टे की खाई बड़ी कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने बताए गए स्थान पर छापा मारकर सट्टा खिला रहे व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना (शेष पृष्ठ-3 पर)

हरियाणा से चोरी बाइक के साथ दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान चोरी की बाइक के साथ एक चोर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक चाकू भी बरामद हुआ है। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिसकर्मी बीती रात एसजेएम पर चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने बाइक पर आ रहे एक युवक को रुकने का इशारा किया। पुलिस कर्मियों को देखकर बाइक सवार भाग निकला पीछा करने पर तेज गति में बाइक भाग रहा युवक संतुलन खो बैठा और बाइक फिसलकर गिर गई। जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने बाइक सवार को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा से किशोर व किशोरी का अपहरण

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थान से एक किशोर और किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। थाना दादरी क्षेत्र के एस्कॉर्ट कॉलोनी रेलवे रोड में रहने वाले वाली अनिता कुमारी ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उनका (15 वर्षीय) बेटा आदित्य उर्फ अंशु 10 जनवरी की सुबह घर से घूमने के लिए निकला था। इसके बाद वह वापस घर नहीं लौटा परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। (शेष पृष्ठ-3 पर)

6 मोबाइल टॉवरों से कीमती उपकरण चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। शहर में लगे विभिन्न मोबाइल कंपनियों के टावर इन दिनों चोरों के निशाने पर हैं। आए दिन इन टॉवरों से चोर कीमती उपकरण चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्र में चोरों ने 6 टावरों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर टावर पर लगे कीमती उपकरणों को चोरी कर ले गए।

थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के सेक्टर-50 की ग्रीन बेल्ट में लगे इंडस मोबाइल टावर तथा बरौला रोड में राजवीर के मकान की छत पर लगे टावर से चोरों ने कीमती आरआरयू उपकरण चोरी कर लिए। इस संबंध में टावरों की देखरेख का काम करने वाली कंपनी के टेक्नीशियन धर्मवीर सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के सेक्टर-143 की ग्रीन बेल्ट में लगे टावर से दो आरआरयू तथा शाहदरा गांव में लगे टावर से चोरों ने एक आरआरयू तथा सहायक उपकरण चोरी कर लिया है। कंपनी के टेक्नीशियन टेकराम ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं थाना दादरी क्षेत्र के बोड़की गांव में कुलदीप भाटी के खाली (शेष पृष्ठ-3 पर)

शनि मंदिर में 22 को जगमगाएंगे हजारों दीपक

भव्य दीपावली के रूप में मनाया जाएगा रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। अयोध्या में श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महापर्व के अवसर पर नोएडा में श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। 22 जनवरी को कथा के समापन अवसर पर 11 हजार दीपक प्रज्वलित कर भव्य दीपावली मनाई जाएगी। यह जानकारी शनि सेवा समिति (पंजीकृत) नोएडा के मंत्री/ सचिव राजीव कुमार मिश्रा ने दी।

सचिव श्री मिश्रा ने बताया कि आगामी 15 जनवरी को सेक्टर-14ए स्थित श्री सिद्ध पीठ शनि मंदिर प्रांगण में मकर संक्रांति महापर्व के अवसर पर भव्य राम कथा का आयोजन किया जाएगा। 7 दिनों तक चलने वाली इस भव्य राम कथा में कथा व्यास मनोज माधव शास्त्री भक्तों को जीवन में राम कथा का महत्व बताएंगे। इसके अलावा बनारस के कथा मर्मज्ञ शास्त्री भी इस भव्य श्री राम कथा में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को श्री राम कथा का हर्षोउल्लास के साथ समापन होगा। शाम के समय अयोध्या की तर्ज पर शनि मंदिर प्रांगण में भक्तों द्वारा 11 हजार दीपक प्रज्वलित कर भव्य दीपावली मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को मनाए जाने वाली भव्य दीपावली के अवसर पर बड़ी संख्या में शहर वासी उपस्थित रहेंगे।

श्री मिश्रा ने बताया कि यूफ्लेक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के (शेष पृष्ठ-3 पर)

फर्जी लोन दिलाने वाले गिरोह पर गैंगस्टर

नोएडा (चेतना मंच)। फर्जी दस्तावेज को आधार पर लोन दिलाने वाले गिरोह के चार सदस्यों के खिलाफ थाना सेक्टर-63 पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की है। गैंगस्टर में निरुद्ध किए गए आरोपियों को पुलिस ने पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि जनपद बुलंदशहर निवासी जावेद खान, (शेष पृष्ठ-3 पर)

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning Well Equipped Library GPS Enable Buses

पहाड़ की आवाज

पहाड़ी राज्यों के संकल्प देश के राजनीतिक महाभारत में राष्ट्रीय नहीं रहते, यह संघर्ष हर मुख्यमंत्री को हिमाचल की वकालत के साथ करना पड़ा। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का दौरा दिल्ली से अपने अधिकारों के तर्क साझा कर रहा है। प्रदेश पहली बार कोशिशों के नए मुहाने पर अपने अधिकारों के आवरण के साथ आत्मनिर्भर होने की दरगाह खोज रहा है। इस सफर में हमेशा केंद्र का एक पक्ष और उसकी संवेदना का रुख सहायक हुआ है, लेकिन वित्तायोगों के चश्में बदलते ही मुफलिसी का रोग बढ़ गया और केंद्र के तराजू ने हमें राजनीतिक तौर पर आंकना शुरू कर दिया। कभी फौज की वर्दी पहनकर हिमाचली युवा आगे हो जाता था, लेकिन अब राज्यों का कोटा इस कद्र निर्धारित कर दिया कि अवसर कम हो गए। हमारे सन्नाटे हमीं से पूछ रहे, पड़ोसी के मोहल्ले में शोर कैसा है। यानी हमें चुप कराकर केंद्र ने मैदान से पूछा यह बाढ़ का आलम क्या है। हमें पौंग जैसे जलाशयों में डुबोकर राजस्थान से पूछा कि जवाहर नहर में पानी की गति क्या है। पंजाब पुनर्गठन से मिली पर्वतीय हवा से कोई संवाद नहीं, मगर हरियाणा व पंजाब से ही पूछा तुम्हारी इल्तिजा क्या है। अब अगर हिमाचल की जमीन का सीना चीरकर निकल रहीं विद्युत परियोजनाएं न्यायोचित रॉयल्टी या जायज वित्तीय अधिकार नहीं दे रहीं, तो क्या इनकी खुशहाली के आलम में प्रदेश की संवेदना बर्फ बनी रहे। राज्य की विद्युत नीति का आत्मसम्मान व यथार्थ अगर केंद्र से अधिकार मांग रहा है, तो यह पहाड़ को ढोने जैसा तर्क क्यों समझा जा रहा। इसलिए केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह के साथ मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का संवाद केवल गुजारिश नहीं, केंद्र व राज्यों के बीच संबंधों का सेतु है। बीबीएमबी की जो परियोजनाएं पानी के साथ बिजली के अधिकारों पर कुंडली मार कर बैठी हैं, वे चालीस साल के बाद प्रदेश को क्यों न हस्तांतरित हों। शानन विद्युत परियोजना अपनी एक सदी पंजाब को दे देने के बाद भी हिमाचल के भविष्य की सदी को रोक नहीं सकती, लिहाजा लीज खत्म होने के साथ इसका हस्तांतरण अपने साथ रोजाना लगभग अस्सी लाख की आमदनी भी हिमाचल को सौंपेगा। इसी तरह प्रदेश में एसजेवीएन तथा एनएचपीसी द्वारा संचालित विद्युत परियोजनाएं रायल्टी का भुगतान समय सीमा के भीतर करें और उत्तराखंड की तर्ज पर वाटर सैस के अधिकार की मान्यता मिले तो हिमाचल अपने आर्थिक आदर्श कायम कर पाएगा। हिमाचल को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए पर्वतीय अंचल की विशालता और सीमा को समझना होगा। इसी आधार पर हिमाचली परियोजनाओं का वित्त पोषण 90 = 10 की दर में हुआ, लेकिन अब केंद्र पलटी मार रहा है। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की लागत में अगर इस आधार पर धर्मशाला-शिमला की परियोजनाएं चलतीं, तो अब तक इनके मुकाम तय हो चुके होते। इसी तरह रेलवे परियोजनाओं को भी क्षमता और वाइबिलटी के आधार के बजाय पूर्वोत्तर या जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर हिमाचल से जोड़ा जाता, तो अब तक सीमेंट व सेब ढुलाई के अलावा धार्मिक पर्यटन तथा उपभोक्ता वस्तुओं की ढुलाई सस्ती दरों पर हो जाती। कुछ इसी अंदाज में अगर अयोध्या के हवाई अड्डे को राष्ट्रीय राजनीति अंतरराष्ट्रीय बना रही है, तो हिमाचल के प्रसिद्ध मंदिरों से जुड़े कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार पर केंद्र को उदार होना चाहिए। चार धाम सडक़ परियोजना का मकसद देश की आस्था का सम्मान है, तो चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, दियोटसिद्ध, कांगड़ा, चामुंडा व बैजनाथ के धार्मिक व पौराणिक इतिहास को राष्ट्रीय परियोजना की प्राथमिकता देते हुए कांगड़ा हवाई अड्डे का विस्तार तथा ज्वालाजी मैया के देवस्थल तक ऊना रेल का रुख मोड़ देना चाहिए। इसी संदर्भ में हिमाचल के मुख्यमंत्री की केंद्रीय उड्डयन एवं नागरिक विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य से मुलाकात का तर्क संजीदा है। हिमाचल में सुक्खू सरकार ने आते ही पिंजरे में बंद कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की संभावना को पर्यटन की पलकों पर बिछाया है। सरकार ने अपनी ओर से इतना प्रबंध कर दिया है कि बड़े जहाज उड़ाने तथा मौजूदा हवाई पट्टी की लंबाई को 1376 मीटर से 3010 मीटर तक पहुंचाने के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण हो जाए। अगले दो महीनों में बड़े हवाई अड्डे के लिए भूमि उपलब्ध होगी, तो आगे भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को इसके निर्माण की आवश्यक कार्रवाई करनी है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अपनी यही वचनबद्धता दोहराई है जो पर्वतीय राज्य की कनेक्टिविटी के लिए एक अनिवार्यता सरीखी है। केंद्र की उड़ान योजना की शुरुआत जब शिमला से हुई थी, तो राष्ट्रीय संदर्भों और उम्मीदों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिप्राय यही था, लिहाजा इसी मंशा को जमीन पर उकेरने के लिए अब केंद्र की भूमिका अभिलषित है। हिमाचल के तर्क बाकी राज्यों से इसलिए भी भिन्न हैं क्योंकि इस राज्य ने साथ लगते पंजाब व जम्मू-कश्मीर के असंतोष, राष्ट्र विरोधी मूड तथा विखंडनकारी ताकतों के अतिक्रमण के बावजूद अपने स्वभाव व चरित्र को शांत व राष्ट्र के अनुकूल रखा। देश के लिए तीस से चालीस प्रतिशत कुर्बानियां देने वाले तथा सीने पर सभी राज्यों से अधिक चार परमवीर चक्र चिपकाने वाले हिमाचल को सिर्फ केंद्र से न्याय चाहिए, दया नहीं, अधिकार चाहिएं।

ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ सादगी पसंद प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री

ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी और भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री को उनकी गरिमानुरूप याद नहीं किया जाता। शास्त्री जी भारत के ऐसे कुछ गिने चुने सपूतों में से हैं जिनका भारत की स्वतंत्रता और स्वतंत्र भारत में बड़ी अहम भूमिका रही है। उन्होंने जहाँ भारत की आजादी के लिये जी-जान एक किया तो वहीं स्वतंत्र भारत के नव निर्माण में अपना जीवन होम दिया। ऐसे महान चरित्र के स्वामी थे शास्त्री जी। भारत का यह लाल दो अक्टूबर सन् 1904 को उत्तर प्रदेश स्थित मुगलसराय में जन्मा था। इनके पिता का नाम शारदा प्रसाद श्रीवास्तव था। ये पेशे से अध्यापक थे। शास्त्री जी को अपने पिता का सानिध्य ज्यादा दिनों तक नही प्राप्त हो सका, मात्र दो वर्ष की अल्पायु में ही उनके पिता का स्वर्गवास हो गया था। इसके बाद वे अपने नाना के यहाँ उन्नाव चले गये। बचपन से ही उन्होंने आर्थिक व सामाजिक समस्याओं का सामना किया। इन्हीं सब के चलते उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता एवं जुझारूपन का रुझान बढ़ता चला गया, और जो बाद में उनके व्यक्तित्व का एक प्रमुख पहचान बना। उनका यही आत्मबल एक दिन उन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी से लेकर कांग्रेस महासचिव, रेल मंत्री और प्रधानमंत्री पद तक प्रतिष्ठित किया।

ये ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व के धनी और भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री को उनकी गरिमानुरूप याद नहीं किया जाता। शास्त्री भारत के ऐसे कुछ गिग्ने चुने सपूतों में से हैं जिनका भारत की स्वतंत्रता और स्वतंत्र भारत में बड़ी अहम भूमिका रही है। उन्होंने जहाँ भारत की आजादी के लिये जी-जान एक किया तो वादी स्वतंत्र भारत के नव निर्माण में अपना जीवन होम दिया। एस महान चरित्र के स्वामी थे शास्त्री जी।

भारत का वह लाल 2 अक्टूबर सन् 1904 को उत्तर प्रदेश स्थित मुगलसराय में जन्मा था। इनके पिता का नाम शारदा प्रसाद श्रीवास्तव था ये से अध्यापक थे। शास्त्री जी को अपने पिता का सानिध्य ज्यादा दिनों तक नही लिये प्राप्त हो सका, मात्र दो वर्ष की अल्पायु में ही ही उनके पिता का स्वर्गवास हो गया था। इसके बाद वे अपने नाना के यहाँ चले नाव गये। बचपन से ही उन्होंने आर्थिक न सामाजिक समस्याओं का सामना किया। इन्हीं संबंधों के चलते उनके व्यक्तित्व में दृढ़ता एवं जुझारूपन का रुझान बढ़ता चला गया और जो बाद में उनके व्यक्तित्व का एक प्रमुख पहचान बना। उनका यही आत्मबल एक दिन उन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी से लेकर कांग्रेस महासचिव, रेल मंत्री और प्रधानमंत्री पद तक प्रतिष्ठित किया।

लाल बहादुर ने 1925 में काशी विद्यापीठ से शास्त्री की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं

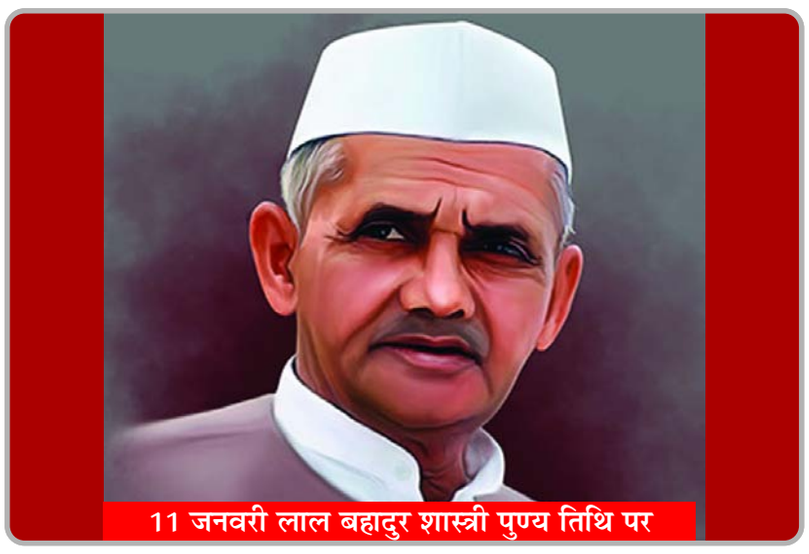

1927 में इनका विवाह हो गया। शास्त्री जी जब वायवा में थे तब की एक घटना का उल्लेख है, यह घटना उनके आत्म बल,

सहनशीलता दृढप्रतिज्ञ स्वभाव का एक उदाहरण है। वे विद्यालय नदी पार कर पढ़ने जाते थे, तो इसी क्रम में वे रामनगर गंगातट पर नाव घाट के पास पहुँचे तो उन्होंने देखा कि नाव में बैठने के लिये उनके पास पैसे तो हैं नहीं। नाव वाले ने भी बैठाने से इंकार कर दिया, और तो और अन्य सहपाठी जो नाव में बैठे थे, उन्होंने उनका उपहास किया। पर वे क्रोधित होने की बजाय तुरंत कपड़े उतारकर फिर पुस्तकें व कपड़े एक हाथ में रखकर पानी में कूद पड़े और तैरकर उस पार पहुँच और समय पर ही अपनी उपस्थिति स्कूल में दर्ज कराई। ऐसा एक बार नही अनेक बार हुआ। घर की आर्थिक स्थिति ने भी उन्हें ऐसा करने के लिये मजबूर किया।

जब ललितादेवी के साथ उनका व्याह हुआ तो उन्होंने पहले से ही दहेज एवं विवाह के तामझाम के लिये मना कर दिया था। लड़की वालों के यहां एकदम सादगीपूर्ण विवाह संपन्न हुआ था। शास्त्री जो सर्वगुण सम्पन्न व्यक्ति थे। देश, समाज और जनता के आम जरुरतों उनकी समस्याओं पर ही चिंतन विशेष तौर पर करते थे। ये नेकी के साक्षात मूर्ति थे। महाद के व्यक्तित्व से भी उन्होंने सीखकर उनके आदर्शों को अपने व्यवहार में शामिल किया जो उन्हें सोने से कुंदन की तरह निखार गया। शास्त्री जी अपने किशोरावस्था से ही स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। स्वतंत्रता संग्राम के उनके साथी गोविंद वल्लभ पंत, रफी अहमद किदवई, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जयनारायण व्यास महावीर त्यागी, कामरेड रामकिशन, आचार्य कृपलानी, मोहम्मद अब्दुल कलाम आजाद, सी. राजगोपालाचारी, गफ्फार खान, शंकर राव देव, बाबू पुरुषोत्तम दास टंडन, बाबा मग सिंह और ये प्रकाश नारायण आदि थे। इनके साथियों पर भी इनकी छाप का गहरा असर हुआ। गाँधीजी के साथ उन्होंने असहयोग आंदोलन के संचालन पर खूब मेहनत की।

1947 में भारत आजाद हुआ और नेहरूजी भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। 1951 में नेहरूजी जब भारत के प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस अध्यक्ष थे, तब उन्होंने शास्त्रीजी को कांग्रेस का महासचिव नियुक्त किया। कुछ समय बाद नेहरु जी ने उन्हें रेल व परिवहन विभाग का मंत्रीपद सौंपा। उनके ईमानदारी का परिचय इस पद पर भी देखने को मिला। जबकि एक रेल दुर्घटना की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेते हुये उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया। नेहरू जी के लाख कहने पर भी इस्तीफा वापस नहीं लिया। यह था उनका कर्तव्य एवं दायित्व बोध ऐसी नैतिकता और सद्भावता आज कहीं देखने को नहीं मिलती। 1957 के दूसरे आम चुनाव में लाल बहादुर पुन: भारी मतों से जीतकर संसद में पहुँचे। और पुन: परिवहन, यातायात और उद्योग मंत्रालय का कार्यभार सम्हाला। कुछ समय बाद सन् 1960 में गृहमंत्री गोविंद वल्लभ पंत के अस्वस्थ हो जाने पर शास्त्री जी को गृह मंत्रालय का भी कार्यभार संभालना पड़ा। ऐसे ही जब एक बार किसी कपड़ा मिल का अवलोकन कर रहे थे तव वहाँ के अधिकारियों व कर्मियों ने शास्त्री जी की पत्नी के लिये उन्हें एक उत्तम किस्म की साडी भेंट करनी चाही, तभी उन्होंने उसका दाम पूछा और कहा कि इतने ऊंचे दाम की साड़ी मैं नहीं खरीद सकता, जबकि वे भेंट करना चाहते थे लेकिन उन्होंने उसे वापस कर दिया। क्या ऐसी सादगी, एवं ईमानदारी व भोलापन आज के किसी मंत्री, या अधिकारी में है?

सन 1964 के 27 मई को प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु के बाद सभी के सामने यह सवाल था कि अब भारत का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा.. ?आखिरकार सर्वसम्मति से शास्त्रीजी को प्रधानमंत्री बनाया गया। इसका मुख्य कारण था। उनका व्यवहार एवं व्यक्तित्व, चरित्र की सादगी। जिससे सभी प्रभावित थे। निम्न वर्ग के प्रति उनकी हमदर्दी प्रसिद्ध है। उनका लक्ष्य हमेशा भारत से गरीबी और बेरोजगारी दूर करने का रहा। वहीं वे अनुशासन के बड़े पाबंद थे। दूसरों से भी अनुशासन की इच्छा रखते थे। शास्त्री जी के शासनकाल में ही पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया था। वहाँ के शासकों की यह सोच थी कि अब भारत की बागडोर कमजोर प्रधानमंत्री के हाथों में है। इससे अच्छा अवसर हमले के लिये फिर नहीं मिलेगा। पर उनकी आशाओं के विपरीत पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी और वह युद्ध में बुरी तरह से परास्त हुआ। इसी युद्ध के दौरान शास्त्री ने भारत के सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिये 'जय जवान-जय किसान' का जगत विख्यात नारा दिया था। जनवरी 1966 को ताशकंद में उनका निधन हो गया।

वर्तमान में कोई भी राजनीतिज्ञ शास्त्री जी के दिखाये गये रास्तों पर नहीं चलना चाहता। सभी क्षुद्र स्वार्थों में ही लिप्त हैं। शास्त्री जी सादगी, ईमानदारी दायित्वबोध, जनता से प्रत्यक्ष संबंध एवं दृढ़ता आज के असंयमित अशिष्ट अलोकतांत्रिक, स्वार्थी और पश्चिमी सभ्यता की ओढने वाले हमारे देश के कर्णधारों को रास नहीं है। अभी भी हमारे नेता मंत्री एवं अधिकारी उनके बताये मार्ग पर चले तो देश विकास की ऊंचाइयों और नैतिकता को स्पर्श कर लेगा।

क्या हुआ गर मिट गये. अपने वतन के वास्ते।
बुलबुले कुरबान होते हैं, चमन के वास्ते।।

-सुरेश सिंह बैस, शाश्वत

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि हे गरुड़! आपके हृदय में बड़ा भारी मोह उत्पन्न हो गया है। यह मेरे समझाने से तुरंत नहीं मिटेगा। अत: हे पक्षीराज! आप ब्रह्माजी के पास जाइए और वहाँ जिस काम के लिए आदेश मिले, वही कीजिएगा।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-अस कहि चले देवरिषि करत राम गुन गान।
हरि माया बल बरनत पुनि पुनि परम सुजान।।

ऐसा कहकर परम सुजान देवर्षि नारदजी श्री रामजी का गुणगान करते हुए और बारंबार श्री हरि की माया का बल वर्णन करते हुए चले॥

तब खगपति बिरंचि पहिं गयऊ। निज संदेह सुनावत भयऊ।।
सुनि बिरंचि रामहि सिरु नावा। समुझि प्रताप प्रेम अति छावा।।

तब पक्षीराज गरुड़ ब्रह्माजी के पास गए और अपना संदेह उन्हें कह सुनाया। उसे सुनकर ब्रह्माजी ने श्री रामचंद्रजी को सिर नवाया और उनके प्रताप को समझकर उनके मन में अत्यंत प्रेम छा गया॥

हरि माया कर अमिति प्रभावा। बिपुल बार जेहिं मोहि नचावा।।

ब्रह्माजी मन में विचार करने लगे कि कवि, कोविद और ज्ञानी सभी माया के वश हैं। भगवान? की माया का प्रभाव असीम है, जिसने मुझ तक को अनेकों बार नचाया है॥

अग जगमय जग मम उपराजा। नहिं आचरज मोह खगराजा।।
तब बोले बिधि गिरा सुहाई। जान महेस राम प्रभुताई।।

यह सारा चराचर जगत तो मेरा रचा हुआ है। जब मैं ही मायावश नाचने लगता हूँ, तब गरुड़ को मोह होना कोई आश्चर्य (की बात) नहीं है। तदनन्तर ब्रह्माजी सुंदर वाणी बोले-श्री रामजी की महिमा को महादेवजी जानते हैं॥

बैनतेय संकर पहिं जाहू। तात अनत पूछहु जनि काहू।।
तहँ होइहि तव संसय हानी। चलेउ बिहंग सुनत बिधि बानी।।

हे गरुड़! तुम शंकरजी के पास जाओ। हे तात! और कहीं किसी से न पूछना। तुम्हारे संदेह का नाश वहीं होगा। ब्रह्माजी का वचन सुनते ही गरुड़ चल दिए॥

क्रमश:

राम मंदिर के माध्यम से हिंदुओं को एकजुट करने का प्रयास

इस समय राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव की तैयारी चल रहीं हैं।अयोध्या सज रहा है।पूरी दुनिया इस भव्य आयोजन को निहारने का आतुर है।दुनिया भर में बसे हिंदुओं के लिए यह गौरव का पल है।मुस्लिम काल से अब तक उनके पूर्वक अब तक मंदिर टूटते देखते आए हैं।यह हिंदुओं की वह पीढ़ी है जो विदेशी आक्रांता द्वारा अयोध्या में बनाई मश्जिद की जगह मंदिर बनता देख रही है। अयोध्या को सजता निहार रही है।उसे इंतजार है उस पल का जब इस मंदिर का 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह होगा।इस मंदिर निर्माण और मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के माध्यम से विश्व हिंदू परिषद,राष्ट्रीय स्वयं सवेक संघ विश्व के हिंदुओं को आपस में जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उसका प्रयास है कि छोटी -मोटी आस्थाओं में फंसे हिंदू राम के नाम पर एक हो। अलग- अलग जाति और संप्रदाय में बंटे सब हिंदू भगवान राम को अपना आदर्श स्वीकारें। एकजुट रहें।

आरएसएस और संघ से जुड़े संगठनों ने राम मंदिर के निर्माण को लेकर रामलला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए देशभर में 10 करोड़ से अधिक परिवारों को निमंत्रण देने की योजना बनाई है। उनका कहा कि हम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष बाद अयोध्या लौटने की खुशी में दिवाली मनाते हैं। आगामी 22 जनवरी को तो वह दूसरी दीपावली होगी, जब भगवान राम 500 वर्षों के बाद, भारत की स्वतंत्रता की अमृतवेला में अपने जन्म-स्थान पर लौटेंगे। इसलिए, यह आवश्यक है कि विश्व का समस्त हिन्दू समाज इस प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रत्यक्ष शामिल हो।उनका कहना है कि सब रामभक्तों को तो उसी दिन अयोध्या नहीं बुलाया जा सकता। इसलिए उनका आह्वान है कि विश्व भर के हिंदू अपने मोहल्ले या गांव के मंदिर को ही अयोध्या मानकर वहां एकत्र हों। वहां की परंपरानुसार पूजा-पाठ, आराधना व अनुष्ठान करें, पूज्य संतों द्वारा दिए गए विजय महामंत्र श्रीराम जय राम जय जय राम का जाप करें तथा अयोध्या के भव्य-दिव्य कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को साक्षात देखें। आरती में अपना स्वर मिलाएं। प्रसाद बांटें और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के प्रत्यक्षदर्शी बनकर आनंद मनाएं। विहिप कार्याध्यक्ष ने इस योजना के बारे में कहाकि कि इसी महीने 5 नवंबर को श्रीराम मंदिर में पूजित अक्षत (पीले चावल) कलश लेकर संगठन की दृष्टि से बने 45 प्रांतों में भेजे जा चुके हैं। तीर्थ क्षेत्र न्यास के आह्वान पर इस अक्षत निमंत्रण को लेकर, विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर, 15 जनवरी तक , देश के नगर ग्रामों में, हिंदू परिवारों तक जाएंगे। ऐसा ही कार्यक्रम विदेशों में रहने वाले हिंदुओं के लिए भी आयोजित किया गया है। प्रत्येक परिवार को इस निमंत्रण के साथ भगवान और उनके मंदिर का पूजा में रखने लायक एक चित्र और अन्य आवश्यक जानकारियां भी दी जा रही है।उनका मानना है कि अभी तक का आकलन है कि यह आयोजन विश्व भर में पांच लाख से अधिक मन्दिरों में अवश्य होगा और करोड़ों हिंदू इसमें शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 100 वर्षों में इस तरह का इतना बड़ा आयोजन नहीं हुआ होगा। विहिप का कहना है कि इस बार विहिप समाज के पास कुछ मांगने नहीं जा रहा है इसलिए इस कार्य में जुटी टोलियां या कार्यकर्ता कोई भी भेंट, दान या अन्य सामग्री स्वीकार नहीं करेंगे।

विहिप ने यह भी कहा कि 1984 से चले मुक्ति अभियान में लाखों हिंदुओं की सहभागिता रही है। अनेक मुक्ति योद्धा बलिदान भी हुए हैं या अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनके भी परिवार, उनके स्वप्न की इस पूर्ति को देखना चाहते हैं। विहिप ने देश को 45 भागों में बांटकर प्रत्येक भाग के लिए 27 जनवरी से 22 फरवरी के बीच में उस भाग के लिए निश्चित दिन अयोध्या पधारने का निवेदन किया है। ऐसे लगभग एक लाख लोगों के दर्शनों की व्यवस्था की गई है।विहिप ने यह भी आह्वान किया कि 22 जनवरी की पुण्यरात्रि को प्रत्येक हिंदू परिवार कम से कम पांच दीपक अवश्य जलाए और उसके बाद किसी भी दिवस को सपरिवार, ईष्ट-मित्रों सहित अयोध्या दर्शन हेतु पधारें। विश्व हिंदू परिषद को विश्वास है कि भगवान राम का यह मंदिर विश्व में हिंदुओं में समरसता, एकत्व व आत्मगौरव का संचार करेगा और भारत को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए एक राष्ट्र मंदिर बन कर उभरेगा।

इसी के अनुपालन में विहप और संघ के कार्यकर्ता ढोलक घंटे और घडियाल बजाते, राम भजन गाते घर -घर जा रहे हैं।उन्हें राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण के लिए पीले चावल और निमंत्रण पत्रक भेंट कर रहे हैं। उनसे कह रहे है कि 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए अपने घर और आसपास के मंदिर को संजाए। दीप जलांए। दीपावली मनांए। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण देखें। इन कार्यकर्ताओं को आदेश है कि यह कार्य वाल्मीकि , दलित और आदिवासी बस्ती से प्रांरभ करें। प्रत्येक हिंदू के घर जाए। उन्हें आमंत्रण दें। ऐसा ही हो रहा है।

भगवान राम ने उत्तर से दक्षिण तक पूरे देश को एक जुट करने का बड़ा कार्य किया था। सीताहरण के बाद उत्तर से लेकर दक्षिण तक के सर्व समाज को अपने साथ जोड़ा था। दक्षिण के आदिवासी,वनवासी ,पिछड़े गुफाओं में रहने वाले भील आदि को अपने साथ लिया था। उन्होंने देश को एकीकरण के लिए बड़ा काम किया किंतु कुछ हिंदुओं के के प्रयास से वह आगे नही चला। हमने राम के साथ युद्ध के साथी रहे आदिवासी, वनवासी ,भील और अन्यों का बंदर, भालू कहकर उपहास उड़ाया। उन्हें समानता और बराबरी का दर्जा नही दिया। काश भगवान राम का मन्तव्य समझकर उसे आगे बढ़ाया गया होता तो देश उत्तर दक्षिण, में ना बंटा होता।

उस पुरानी गलती को विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अब दूर करने में लगा हैं। राम मंदिर के लिए सभी ने बलिदान दिया है, चाहे वह सिख हो, जैन हो या बौद्ध, वाल्मिकी हो या दलित। भगवान राम सभी हिंदुओं के आदर्श और पूज्य रहे हैं। सबके मन मे उनके लिए आस्थाएं हैं। विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इन आस्थाओं को उभार कर हिंदू समाज को एकजुट कर रहा है। उन्हें एक मंच पर ला रहा है।

ढांचा गिरने के बाद से बहुत ने राम मदिर निर्माण के लिए सकल्प लिए थे। कोई नंगे पांव रह रहा था तो किसी ने अपने बाल नही कटाए थे।झारखंड की एक महिला तभी से मौनवृत पर हैं। बहुतों के अपने वृत और अपने- अपने संकल्प है। अब सबके वृत औंर संकल्प पूरे होने का दिन नजदीक है। ऐसे में सब प्रसन्न हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद वह सब अपने- अपने संकल्प को विदा कहेंगे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के लिए पूरी दुनिया में उत्साह है। अमेरिका के टाइम्स स्कवायर में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लाइव प्रसारण की व्यवस्था की गई है।अमेरिकी समुदाय के हिंदुओं ने राम मंदिर के लिए हयूटन में कार रैली निकाली। पूरी दुनिया के हिंदुओं में उत्साह का माहौल है। सब राम मंदिर से जुड़े नजर आ रहे हैं। आज राम और हनुमान को जानने की लोगों में इतनी उत्सुकता है कि हिंदुओं की धार्मिक पुस्तक छापने वाली गीता प्रेस इतनी पुस्तक नही छाप पा रहा , जितनी मांग है राम चरित्र मानस की तीन माह में 5.27 लाख प्रति विभिन्न भाषांओं में छपी। हनुमान चालिसा की 13.50 लाख प्रतियां छपी। सब बिक गईं। मामूली प्रतियों ही बची है।आरती संग्रह की तीन लाख प्रतियों की मांग है। गीता प्रेस मांग के अनुरूप पुस्तके नही छाप पा रहा। उसने हाथ खड़े कर दिए।

प्रदेश सरकारें इस अवसर को और भव्य बनाने में लगी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में में 22 जनवरी को शिक्षण संस्थाएं और शराब की दुकान बंद करने के निर्देश दे दिए हैं। इसी तरह के निर्देश और जगह भी होने की सूचनांए हैं। अयोध्या आकर राम जन्म भूमि के दर्शन का हिंदुओं में भारी उत्साह है।22 के लिए पहले ही होटल और धर्मशालाएं बुक हो गए थे,किंतु 22 को वीवीआईपी के आगमन को और उनकी सुरक्षा को देखते हुए ये रिजर्वेशन कैंसिल कर दिए गए हैं।उम्मीद है कि 22 को 100 से ज्यादा विमान अयोध्या आएंगे।अयोध्या दुनिया भर के हिंदुओं का जल्दी ही भव्य तीर्थ बनेगा, ऐसी उम्मीद है।उम्मीद है कि यहां बना अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जल्द ही विश्व के व्यस्ततम एयरपोर्ट में शामिल हो जाएगा। ये भी उम्मीद है कि विहिप और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सभी हिंदुओं को राम मंदिर और राम आस्था से जोड़ने में सफल हो जाएंगे।

अशोक मधुप
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राशिफल

पौष कृष्ण-अमावस्या (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। मान-सम्मान में ठेस न लगे, इस बात का ध्यान रखिए।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बहुत बचकर पार करें। किसी तरीके का रिस्क न लें। चोट-चपेट लग सकती है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ , छ, के, हो, हा)
अपने स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रेम, संतान मध्यम।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु परास्त होंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भावुकता में आकर निर्णय मत लीजिएगा। नुकसान संभव है। स्वास्थ्य ठीक-ठाक रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में परेशानी का अनुभव करेंगे। गृह-कलह के संकेत हैं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी लेकिन अभी नए व्यापार की शुरुआत न करें। प्रेम, संतान अच्छा। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसा न लगाएं। धन-हानि के संकेत हैं। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा।

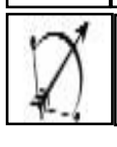

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। ऊर्जा का स्तर घटता-बढ़ता रहेगा। प्रेम, संतान भी बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

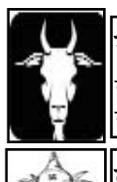

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
खर्च की अधिकता मन को परेशानी उत्पन्न करेगी। अज्ञात भय सताएगा। कुछ भी चीज खोने और लॉस होने का भय है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
अचानक आय बढ़ सकती है और अप्रत्याशित घटनाएं घटेंगी। थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
कोर्ट-कचहरी से बचें। व्यापार में उतार-चढ़ाव रहेगा। प्रेम, संतान मध्यम। कुल मिलाकर के एक अप्रत्याशित सा रहेगा जीवन में।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की तस्वीर बदली : सुरेन्द्र नागर

चोना एवं खगोड़ा पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विकसित भारत संकल्प यात्रा कल दादरी विधानसभा के चोना एवं खगोड़ा गांव पहुंची। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने कहा कि 2014 से जब से प्रधानमंत्री मोदी बने हैं यह देश परिवर्तन देख रहा है कितनी भी विकास योजना है वह धरातल पर पहुंच रही हैं। गरीबों का कल्याण हो रहा है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंतोदय के सपने को साकार कर रही है। आप सभी और हम सभी इस विकसित भारत संकल्प में सकारात्मक सहयोगी की भूमिका का निर्वहन करें और मोदी के कारण नरेंद्र मोदी के गारंटी वैन हर गांव में आ रही है। आज देश में अगर किसी की गारंटी को स्वीकारता जनता के बीच में है तो मोदी की गारंटी की स्वीकारता है।

इस अवसर पर केंद्र से आए जिले के नोडल अधिकारी अभिषेक चौहान, जिला नोडल अधिकारी सीडीओ विजेंद्र प्रमुख, रवि जिंदल अभियान के जिला संयोजक बिजेंद्र भाटी, राज नागर, कपिल गुर्जर, विचित्र तोमर, संदीप शर्मा, जितेंद्र खारी, महेंद्र नागर, धर्मी नागर, श्यामेंद्र प्रमुख आदि लोग मौजूद रहे।

किसानों ने फ्री करवाया टोल प्लाजा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय किसान सभा ने जेवर टोल को कल पूरी तरह से फ्री कर दिया। किसान सभा की घोषणा के अनुसार हजारों की संख्या में महिला व पुरुष किसानों के साथ जेवर टोल पर पहुंचे और वहां पर प्रदर्शन किया।

दोपहर हजारों की संख्या में किसान सभा के कार्यकर्ताओं ने जेवर टोल पर लगे बैरियरों को हटा दिया और टोल फ्री करवा दिया। बैरियर हटते ही जेवर के एसडीएम अभय सिंह और टोल कंपनी के मैनेजर जेके शर्मा और ईश्वर सिंह की ओर से वार्ता का प्रस्ताव दिया गया। वार्ता के प्रस्ताव पर किसान सभा ने सर्वसम्मति से 22 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए भेजा बातचीत का नेतृत्व किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने किया किसानों ने अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेखित चार मांगों जिनमें पहली मांग थी कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा यमुना एक्सप्रेसवे और यूपीएसआईडीसी के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण से प्रभावित गांवों के सभी निवासियों के लिए परिचय पत्र के आधार पर एक्सप्रेस वे पर आना-जाना फ्री किया जाये।

इस मौके पर आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रविंदर भाटी, जेवर किसान सभा के नेता कुंवर पाल, गबरी मुखिया, सतीश यादव, दुष्यंत सेन अभय भाटी, सह संयोजक सुशील प्रधान, संयोजक वीर सिंह नागर, निरंकार प्रधान, विनोद सरपंच, विनोद भाटी, प्रशांत भाटी, मोहित नागर, मोहित भाटी, मोहित यादव, पप्पू ठेकेदार, सुरेंद्र भाटी, अभय भाटी, देवेंद्र मुखिया, श्याम सिंह, प्रधान पाली, बिजेंद्र नागर, संजीव शर्मा, मामचंद नेताजी, मुकेश खेड़ी, सुशील सुनपुरा, प्रेमवती तुसियाना, रामस्वारथ सीटू, लता सिंह, जोगेंद्र देवी, कमलेश देवी, तिलक देवी, गुड़िया देवी आदि लोग मौजूद रहे।

विरोध प्रदर्शन आज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गैर कानूनी तरीके से कर्मचारियों को नौकरी से निकाले जाने एवं सीटू के जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के ऊपर जानलेवा हमले के विरोध में आज विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

वही उपरोक्त मसले को लेकर सीटू दिल्ली एनसीआर राज्य कमेटी की बैठक बी टी आर भवन नई दिल्ली पर राज्य महासचिव कामरेड अनुराग सक्सेना व वीरेंद्र गौड़ के नेतृत्व में हुई। इस बैठक में विरोध प्रदर्शन का फैसला लिया गया।

सीमा हैदर पर बनी फिल्म पर छिड़ा विवाद थमा

जेवर (चेतना मंच)। फिल्म डायरेक्टर अमित जानी द्वारा सीमा हैदर पर फिल्म बनाने को लेकर मुंबई में मनसे और फिल्म निर्माता अमित जानी के विवाद के बीच इम्पा और एफ एमसी द्वारा खारिज किये गए कराची टू नोयडा के टाइटल को जानी फायरफॉक्स के नाम जारी कर दिया है? जिसको लेकर जानी फ़ायरफ़ॉक्स के दर्शकों में खुशी का माहौल है।

मनसे की धमकी के बाद इम्पा द्वारा फिल्म को विवादित कहकर अमित जानी द्वारा मांगे गए टाइटल कराची टु नोयडा को खारिज कर दिया था और कहा था विवादित विषय पर फिल्म नहीं दी जा सकती। अमित जानी ने इम्पा पर पक्षपात करने और मनसे के दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए मुंबई में मीडियाकर्मियों से प्रेसवार्ता की थी। इस मामले को लेकर जानी फ़ायरफ़ॉक्स की ओर से मुम्बई उच्च न्यायलय में एक रिट भी दायर की गयी थी।

बुधवार को को इम्पा और फिल्म मेकर कम्बाइन ने अमित जानी के प्रोडक्शन हाउस जानी फायरफॉक्स को कराची टू नोयडा का टाइटल आवंटित कर दिया है? जिसको लेकर फ़ायरफ़ॉक्स कर्मियों में खुशी का माहौल है।

फिल्म डायरेक्टर व नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित जानी ने बताया कि मनसे को लगता है होगा कि प्रोड्यूसर उत्तर प्रदेश से है तो वे मुंबई में चाहे जो मनमानी कर लेंगे लेकिन अंततः जीत सत्य की ही हुई जानी ने न्यायालय का आभार जताया है।

इंदौर 7वीं बार सबसे स्वच्छ शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में फिर मध्यप्रदेश के इंदौर शहर ने लगातार 7वीं बार सबसे स्वच्छ शहर बने रहने की दौड़ में बाजी मारी है। नई दिल्ली में स्वच्छता सर्वेक्षण अवॉर्ड सेरेमनी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सीएम मोहन यादव को अवार्ड सौंपा। गुजरात के शहर सूरत को भी सबसे स्वच्छ शहर के अवार्ड से नवाजा गया। एमपी के 6 और छत्तीसगढ़ के पांच शहरों को अवार्ड मिले हैं। वहीं, भोपाल को गार्बेज फ्री सिटी का अवार्ड मिला है। वहीं मध्यप्रदेश के अमरकंटक, महू और बुधनी को भी नेशनल अवॉर्ड मिला है।

उत्तर मध्य रेलवे G20

ई-निविदा सूचना सं0 2024-जनवरी-01 दिनांक 08.01.2024

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेल आगरा द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये **"खुली निविदा"** ई-टेण्डरिंग केवल ऑनलाइन के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं. : 1	निविदा सं. : 2024-जनवरी-01-01	अनुमानित लागत रू. : 14032310.33

कार्य का विवरण : (अ) आगरा कैंट में ऑफिसर्स कॉलौनी में नवीनीकरण के माध्यम से अधिकारियों के क्वार्टर्स (टाइप-IV विशेष एवं टाइप-V) में सुधार कार्य। **(ब)** आगरा कैंट मंडल वाणिज्य कार्यालय में कार्य स्थल के प्रावधान के साथ बैठने की व्यवस्था में सुधार कार्य।

क्र.सं. : 2	निविदा सं. : 2024-जनवरी-01-02	अनुमानित लागत रू. : 1738282.57

कार्य का विवरण : छलेसर, कुबेरपुर, एत्मादपुर, आगरा सिटी स्टेशन, एल.सी-3ए.बी, एल.सी-4ए.बी, एल.सी-501 व कॉलौनियों में 24 महीने के लिए पेयजल की आपूर्ति का कार्य।

क्र.सं. : 3	निविदा सं. : 2024-जनवरी-01-03	अनुमानित लागत रू. : 2230225.92

कार्य का विवरण : आगरा कैंट के प्लेटफार्म सं0 1 व 2 एवं डिवीजन रेलवे अस्पताल के लिए 3000 से 5000 लीटर/घण्टा क्षमता वाले आर.ओ. प्लांट की स्थापना, संचालन एवं अनुरक्षण सहित 02 वर्ष हेतु पानी आपूर्ति का कार्य।

क्र.सं. : 4	निविदा सं. : 2024-जनवरी-01-04	अनुमानित लागत रू. : 19623332.63

कार्य का विवरण : नार्थ रेलवे कॉलौनी, आगरा कैंट स्टेशन में परित्यक्त टाइप-।। क्वार्टस आर.बी-।।-250 (08 यूनिट ब्लॉक) के स्थान पर साउथ कॉलौनी आगरा कैंट में टाइप-।। क्वार्टस (08 यूनिट) का प्रावधान।

निविदा को प्रस्तुत करने एवं निविदा के बारे में पूरी जानकारी के लिए भारतीय रेल की बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। निविदायें केवल बेवपोर्टल **www.ireps.gov.in** के माध्यम से दिनांक **30.01.24** को **15:00** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। **57/24(AN)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

पृष्ठ एक के शेष....

नोएडा में बैठकर...

कॉलिंग के जरिए यूएस के नागरिकों से संपर्क करते थे। इसके बाद वह टेक्निकल सपोर्ट के नाम पर विदेशी नागरिकों से अपने खातों में पैसे ट्रांसफर कर लेते। इस कॉल सेंटर के जरिए विदेशी नागरिकों को अब तक करोड़ों रुपए का चूना लगाया जा चुका है। पुलिस कॉल सेंटर के मुख्य संचालक साजिद की तलाश कर रही है।

ग्रेटर नोएडा में बाइक...

मौके पर पहुंची थाना दादरी पुलिस ने घायल सुखपाल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलने पर सुखपाल के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। इस घटना से परिजनों व आसपास के लोगों में रोष व्याप्त है। एडीसीपी अशोक कुमार का कहना है कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा की फुटेज को खाना जा रहा है। इस संबंध में परिजनों ने अभी कोई तहरीर पुलिस को नहीं दी है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस अवैध संबंधों, संपत्ति विवाद व अन्य पहलुओं को ध्यान में रख कर जांच कर रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमे बनाई गई है।

नोएडा को मिला...

शहरों की श्रेणी में नोएडा को 11वां स्थान मिला था। यही नहीं इसी वर्ष 5 जनवरी को नोएडा को पहली बार वाटर प्लस सर्टीफिकेट से नवाजा गया था। गार्बेज फ्री सिटी में नोएडा को 5 स्टार रैकिंग मिली थी।

दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम, एसीईओ संजय खत्री, जनस्वास्थ्य विभाग के उप महाप्रबंधक एसपी सिंह तथा जनस्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा आदि व अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ऊंचाई से गिरकर...

फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूर उसे उपचार के लिए जिम्स अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से जानकारी मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। उन्होंने बताया कि हादसे की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

हरियाणा से चोरी...

ने अपना नाम शनि पुत्र मदनलाल निवासी बदायूं बताया। पकड़ा गया आरोपी हाल में छिजारसी कॉलोनी में रह रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी के पास से बरामद बाइक के नंबर को जब ई-चालान एप पर डालकर चेक किया गया तो पता चला कि उक्त बाइक चोरी की है। बरामद बाइक हरियाणा से चोरी की गई थी। इस संबंध में हरियाणा के सेक्टर-17 फरीदाबाद में चोरी का मुकदमा भी पंजीकृत है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बाइक पहले फरीदाबाद से चोरी की थी पुलिस से बचने के लिए उसने बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई हुई थी और वह इसे बेचने की फिराक में था।

सट्टा खिलाते...

नाम धर्मपुत्र थान सिंह निवासी जेजे कॉलोनी झुग्गी बस्ती सेक्टर-18 बताया। आरोपी के पास से सट्टा पर्चा व 2470 रुपए बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

लापता किशोरी...

गांव के तीन लोगों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

शनि मंदिर में 22 ...

लीगल एंड कॉर्पोरेट अफेयर के प्रेसिडेंट दिनेश जैन राम कथा के मुख्य संरक्षक रहेंगे। इसके अलावा श्री राम कथा के मुख्य संयोजक उदय मिश्र सह संयोजक सुदामा पाठक अरविंद सोलंकी जयशंकर तिवारी मुकेश सिंघल रहेंगे।

6 मोबाइल टॉवरों...

प्लॉट पर लगे टावर तथा गांव मथुरापुर के पास लगे टावर से चोरों ने चार आरआरयू तथा सहायक उपकरण चोरी कर लिए। इस संबंध में शिवम इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के टेक्नीशियन बृजेश कुमार ने अज्ञात चोरों के खिलाफ दादरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

नोएडा से किशोर...

वहीं थाना सेक्टर-49 में शिव नगर कॉलोनी सलारपुर निवासी राजेश (काल्पनिक नाम) नया रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी (17 वर्षीय) बेटी अपनी सहेली के साथ घर से गई थी इसके बाद में वापस घर नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक पीड़ितों की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोर व किशोरी की तलाश की जा रही है।

फर्जी लोन दिलाने...

नरेश चंद्र, अजय कुमार तथा सिद्धार्थ कुमार गुप्ता के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लोगों को लोन दिलाने के नाम पर अपनी ठगी का शिकार बनाते थे। पूर्व में पुलिस ने इन लोगों को गिरफ्तार का जेल भेजा था।

आरोपियों ने सैकड़ो लोगों को अपनी ठगी का शिकार बनाया था। आरोपीय संगठित गिरोह बनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे थे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

रेल यात्रीः कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी नीचे दी गई समय-सारणी के अनुसार चलाई जाएगी:-

09617/09618 रेवाड़ी-रोहतक-रेवाड़ी अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी (प्रतिदिन)

रेलगाड़ी सं. 09617 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09617 प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं. 09618 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09618 प्रस्थान
---	23:55	रेवाड़ी	04:15	---
00:03	00:04	गोकलगढ़	03:48	03:49
00:15	00:16	पल्हावास	03:36	03:37
00:28	00:29	मच्छरौली	03:23	03:24
00:40	00:42	झज्जर	03:09	03:11
00:57	00:58	डीघल	02:55	02:56
01:10	01:11	अस्थल बोहर	02:41	02:42
01:30	---	रोहतक	---	02:35

चलने के दिन : 09617 रेवाड़ी से दिनांक 31.03.2024 तक (प्रतिदिन) और **09618 रोहतक से** दिनांक 11.01.2024 से 01.04.2024 तक (प्रतिदिन)।

स्थान : सामान्य श्रेणी

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139** पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट **https://enquiry.indianrail.gov.in** अथवा **NTES** ऐप देखें

रेलमदद वेबसाईट दर्शें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

रेलमदद हेल्पलाइन नं. **139**

आज़ादी का अमृत महोत्सव | You Tube f X पर हमें फॉलो करें | उत्तर रेलवे आपकी सुविधा-हमारा ध्येय | 121/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

24x7 Helpline: 0171-3055288

दाद, खाज, खुजली

का आयुर्वेदिक मलहम

इचकू®

आयुर्वेदिक मलहम

- असर पहले दिन से
- न चिपचिप, न दाग धब्बे

CALIPH EXIM PVT. LTD.

Concept to reality

•ARCHITECTURE•CONSTRUCTION •INTERIORS

WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE

WE DESIGN DREAMS !

Certified by : ISO 9001 CERTIFIED | startupindia | MSME

9999472324, 9999082512

www.grvbuildcon.com

गणतंत्र दिवस की परेड देखने ऑनलाइन बुक होगी टिकट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के कर्तव्यपथ पर चलने वाली परेड देखने के लिए ऑनलाइन टिकटें मिलेंगी। यह भारत की समृद्ध संस्कृति और इतिहास को प्रदर्शित करती है। पूरे देश से लोग यहां परेड देखने आते हैं, जिसमें सांस्कृतिक प्रदर्शन, सैन्य प्रदर्शन और बहुत कुछ शामिल होता है। भारतीय नागरिक आरक्षित या अनारक्षित सीट ले सकते हैं। जिसकी कीमत 20 रुपये और 100 रुपये है ।गणतंत्र दिवस पर विजय चौक पर खास परेड का आयोजन होता है। गणतंत्र दिवस परेड सुबह 10 बजे विजय चौक से शुरू होगी और 5 किलोमीटर की दूरी तक, नेशनल स्टेडियम पर परेड का अंतिम पड़ाव होगा। अगर आप भी परेड देखना चाहते हैं तो टिकट बुक करवा सकते हैं। भारतीय नागरिक आरक्षित या अनारक्षित सीट ले सकते हैं। जिनकी कीमत 20 रुपये और 100 रुपये है। हालांकि, टिकटों की बुकिंग आज यानी 10 जनवरी से शुरू हो गई। टिकट 25 जनवरी तक उपलब्ध रहेंगे लेकिन हर दिन टिकट सीमित संख्या में ही उपलब्ध होंगे। रक्षा मंत्रालय के आधिकारिक वेब पोर्टल पर जाकर टिकिट बुक की जा सकती है। इसके लिए लॉगिन करें या नया अकाउंट बनाएं। फिर व्यक्तिगत विवरण जैसे नाम, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर आदि भरें। मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी से वेरिफाई करें। विकल्पों में से एक कार्यक्रम चुनें जिसमें एफडीआर गणतंत्र दिवस परेड, गणतंत्र दिवस परेड, बीटिंग द रिट्रीट शामिल हैं। सत्यापन उद्देश्य के लिए, सहभागी जानकारी प्रदान करें और एक मूल फोटो आईडी अपलोड करें। ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया पूरी करके टिकट डाउनलोड करें। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड के लिए ऑफलाइन टिकट भी उपलब्ध रहेंगे जो भारत सरकार पर्यटक कार्यालय और डीटीडीसी काउंटर व आईडीटीसी ट्रैवल काउंटर पर उपलब्ध होंगे। विभागीय बिक्री काउंटर रोजाना सुबह 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक टिकट बेचेंगे, जबकि संसद भवन का रिसेप्शन सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक टिकट बेचेगा।

चारमीनार एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, 5 हुए घायल

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इसमें पांच लोगों के घायल होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार बुधवार को चारमीनार एक्सप्रेस ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर जाने की घटना सामने आई है। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब सवा नौ बजे हुई। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन एक टर्मिनल स्टेशन है जहाँ रेलगाड़ियाँ समाप्त होती हैं। हालांकि ट्रेन को समाप्ति से पहले रुकना चाहिए था, लेकिन ट्रेन आगे निकल गई। इस घटना में ट्रेन के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में ट्रेन के दरवाजे के पास खड़े करीब पांच लोगों को मामूली चोटें आईं। इनका इलाज रेलवे अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि हैदराबाद डेक्कन रेलवे स्टेशन ट्रेन का अंतिम गंतव्य है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि जब ट्रेन स्टेशन पर पहुंची, तो वह धीमी गति से चल रही थी और अंतिम बिंदु से आगे निकल गई, जिसके कारण तीन डिब्बे – एस 2, एस 3 और एस 6 – पटरी से उतर गए। इस पटरी से उतरे झटके के कारण छह यात्री घायल हो गए। इधर तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि घायलों को सर्वोत्तम उपचार प्रदान किया जाए। ट्रेन मंगलवार शाम को चेन्नई से चलकर हैदराबाद पहुंची थी। अधिकारी ने बताया कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। एससीआर के एक अधिकारी ने बताया कि घायल यात्रियों का इलाज नजदीकी अस्पताल में किया जा रहा है।

मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की पहली बार एक साथ हुई पेशी

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला केस में पहली बार मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की एक साथ पेशी हुई। दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की आज न्यायिक हिरासत की अवधि खत्म हो रही है। यही वजह है कि उन दोनों को पुलिस ने राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया है। दरअसल, कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में मनीष सिसोदिया फिलहाल जेल में हैं। उन्हें पिछले साल फरवरी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था और बाद में उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार में उपमुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। कथित शराब घोटाला 2021-22 में आबकारी नीति से संबंधित है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे लागू किए जाने के संबंध में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जिसके तुरंत बाद 2022 में आप सरकार ने इसे रद्द कर दिया था। बता दें कि दिल्ली शराब घोटाला केस में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय सिंह को चार अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। ईडी ने आरोप लगाया है कि संजय सिंह ने अब रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने और लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिससे कुछ शराब निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को रिश्वत के बदले लाभ हुआ। हालांकि, संजय सिंह ने इस आरोप का खंडन किया है जबकि आप ने आरोप लगाया है कि उसके नेताओं को राजनीतिक प्रतिशोध के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

दम घुटने से हुई आरोपी महिला सीईओ के संतान की मौत

-चार वर्षीय पुत्र की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आरोपी मॉ को 6 दिन की पुलिस हिरासत

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)। गोवा की हत्या आरोपी अधिकारी ने जिस चार वर्षीय बच्चे की हत्या की थी, उसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट दम घुटने का कारण बताया गया है। मंगलवार को एक वरिष्ठ डॉक्टर ने बताया कि बच्चे की मौत दम घुटने से हुई। जानकारी के अनुसार एक स्टार्ट-अप कंपनी की 39 वर्षीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सूचना सेठ ने अपने चार वर्षीय बेटे की कथित तौर पर गोवा में हत्या कर दी और फिर उसके शव को बैग में भरकर टैक्सी से पड़ोसी राज्य कर्नाटक चली गई, जहां से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गोवा पुलिस ने आरोपी सूचना सेठ को सोमवार रात कर्नाटक के चित्रदुर्ग से गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने बताया कि उसे मंगलवार को गोवा लाया गया और मापुसा शहर की एक अदालत ने उसे छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के मकसद का अभी तक पता नहीं चला है। महिला छह जनवरी को अपने बेटे के साथ उत्तरी गोवा के कैंडोलिम में एक किराए के फ्लैट में आई थी और दो दिनों तक वहां रहने के बाद सोमवार को टैक्सी से बेंगलुरु चली गई। पुलिस ने बताया कि अपार्टमेंट के कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि जब आरोपी वहां से निकली, तो उनका चार वर्षीय बेटा उनके साथ नहीं दिखा। हिरियुर तालुक अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. कुमार नाइक ने मीडिया को बताया कि उसकी मौत मुंह और नाक दबाने से दम घुटने से हुई होगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए किसी कपड़े या तकिए का इस्तेमाल किया गया। नाइक ने बताया कि ऐसा नहीं लगता कि हाथों से गला घोंटकर बच्चे को मारा गया होगा।

कर्नाटक विधानसभा के सामने परिवार के 8 सदस्यों ने आत्मदाह का किया प्रयास, शरीर पर तेल छिड़का और...

बेंगलुरु। बेंगलुरु में बुधवार को कर्नाटक विधानसभा के सामने एक ही परिवार के आठ सदस्यों ने आत्मदाह का प्रयास करने के बाद अपनी जान देने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, परिवार के सदस्यों ने यह हताशापूर्ण कदम उठाया क्योंकि वे बैंक द्वारा बकाया ऋण की वसूली के लिए उनके घर की नीलामी से परेशान थे। विधान सौधा (कर्नाटक विधानसभा) के बाहर महिलाओं और बच्चों समेत परिवार के सदस्यों ने खुद पर मिट्टी का तेल छिड़क लिया। हालाँकि, पुलिस के त्वरित हस्तक्षेप से यह त्रासदी टल गई, जिससे इसमें शामिल परिवार के सदस्यों को तत्काल हिरासत में ले लिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पुलिसकर्मी परिवार को पुलिस वाहनों में ले जाते दिख रहे हैं। अपनी परेशानी साझा करते हुए, परिवार ने कहा कि उन्होंने अदरक की खेती का व्यवसाय शुरू करने के लिए 2016 में बैंगलोर सिटी कोऑपरेटिव बैंक से 50 लाख रुपये का ऋण लिया था। हालाँकि, उनके उद्यम को काफी घाटा हुआ, जिससे उन्हें उधार ली गई राशि चुकाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

कांग्रेस के न्याय यात्रा पर जेपी नड्डा का तंज,

70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली, ओबीसी के मुद्दे पर भी घेरा

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 'भारत न्याय यात्रा' को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ओबीसी को संवैधानिक दर्जा दिया। लेकिन वे (कांग्रेस) केवल वोट चाहते हैं। नेहरू ने अम्बेडकर को संसद में प्रवेश करने से रोक दिया था। ओबीसी के साथ इतना अन्याय करने के बाद अब ये 'न्याय यात्रा' निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आर्टिकल 356 का इस्तेमाल कर 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया। ये लोग 'न्याय यात्रा' निकाल रहे हैं? अगर कल कोई हिमंत बिस्वा सरमा की सरकार गिरा दे तो क्या होगा?...जब राहुल गांधी अपनी यात्रा के दौरान यहां आएं तो आपको उनसे 1984 के सिख विरोधी दंगों के बारे में पूछना चाहिए।

नड्डा ने कहा कि आज पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अभूतपूर्व तरीके से बदल रहा है। आपको याद रखना चाहिए कि आप उस पार्टी से हैं जिसने भारतीय राजनीति की संस्कृति को बदल दिया है। पीएम मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारतीय राजनीति की परिभाषा भी बदल गई है। उन्होंने कहा कि इससे पहले घोषणा पत्र छापो, वादे करो, सरकार में आओ, पांच साल मौज करो और फिर सरकार में आने के लिए लोगों को सपने दिखाओ, लोगों को लुभाओ और फिर सरकार में आओ... यही कल्चर था। आज मोदी जी ने हमें रिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्स सिखाई है, जो कहा वो किया और जो नहीं कहा वो भी किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के लिए सिर्फ चार ही जातियां हैं- महिला, युवा, किसान और गरीब। अगर इन चारों का उत्थान होगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के किसी भी मुख्यमंत्री ने कभी भी अपने किसी भी वादे को याद नहीं किया या उसके बारे में बात नहीं की। उनकी पार्टी की संस्कृति घोषणापत्र प्रकाशित करना, वादे करना, सत्ता में आना, 5 साल तक आनंद लेना है... और फिर इस चक्र को दोहराना है... वे नए वादे करते हैं, नए सपने दिखाते हैं, सत्ता में आते हैं और लोगों को फिर से धोखा देते हैं। लेकिन आज पीएम मोदी ने हमें रिपोर्ट कार्ड पॉलिटिक्स की संस्कृति सिखा दी है। हम जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं। हम वह भी पूरा करते हैं जिसका हमने वादा नहीं किया है!

जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूर्वोत्तर मुख्यधारा से जुड़ा है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा बार पूर्वोत्तर आने वाले प्रधानमंत्री हैं मोदी जी। पूर्वोत्तर की सारी समस्याओं का समाधान मोदी सरकार ने ही किया। उन्होंने कहा कि 70 चूहे खाकर बिल्ली हज को चली...अन्याय की नींव रखने वाली कांग्रेस पार्टी, भारत को तोड़ने में कोई कसर न छोड़ने वाली कांग्रेस पार्टी... आज भारत जोड़ो यात्रा करने चली है।

अखिलेश यादव पर चढ़ गया स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत : प्रमोद कृष्णम

नई दिल्ली। कांग्रेस के नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने स्वामी प्रसाद मौर्य के बहाने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी तंज कसा और कहा कि उन पर स्वामी का भूत सवार हो गया है। उन्होंने इसके लिए विक्रम बेताल का उदाहरण दिया। दरअसल सनातन धर्म को लेकर अक्सर विवादित बयानबाजी करने वाले समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर भारतीय जनता पार्टी पहले से हमलावर है और अब कांग्रेस नेता ने भी निशाना साधा है। गाजियाबाद में मीडिया से बात करते हुए प्रमोद कृष्णम ने कहा कि अखिलेश यादव स्वामी प्रसाद मौर्य से डरते हैं और यह जानते हुए कि वह बेड़ा गर्ग करा देंगे फिर भी पता नहीं उनकी क्या मजबूरी है। स्वामी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और स्वामी प्रसाद मौर्य की कहानी विक्रम बेताल जैसी है। अखिलेश यादव के ऊपर स्वामी प्रसाद मौर्य का भूत चढ़ गया है। प्रमोद कृष्णम ने यह भी कहा कि अखिलेश जानते हैं कि यदि स्वामी इसी तरह बयानबाजी करते रहे तो यूपी में भाजपा फिर आएगी। बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले स्वामी प्रसाद मौर्य ने 1990 में कारसेवकों पर गोली चलाए जाने की घटना को सही ठहराया है। कासगंज में पत्रकारों से बात करते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि, अराजक तत्वों ने जो तोड़फोड़ की थी और तत्कालीन सरकार, मुलायम सिंह यादव ने संविधान, कानून की रक्षा के लिए गोली चलवाई थी वह सरकार का कर्तव्य था। सरकार ने अपना कर्तव्य निभाया था। दरअसल यह बात स्वामी प्रसाद मौर्य भाजपा नेता एसपी सिंह बघेल को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में बोल रहे थे।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने पंजाब को दी 4 हजार करोड़ रुपए की सौगात

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पंजाब को 4 हजार करोड़ रुपए का तोहफा दिया। बता दें गडकरी जालंधर के आदमपुर एयरपोर्ट से पहुंचे। इस मौके मंच पर पंजाब बीजेपी प्रधान सुनील जाखड़ ने उनका स्वागत किया। होशियारपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गडकरी ने फगवाड़ा-होशियारपुर फोरलेन का उद्घाटन किया।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि आज पंजाब में 4 हजार करोड़ के नए प्रोजेक्ट की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि जब अटलजी प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने मुझे गांवों को जोड़ने के लिए कहा था। पंजाब राज्य का निर्माण होने बाद से 2014 से 2024 कई गुणा अच्छे रोड बीजेपी सरकार ने बनाकर दिखाए हैं। उन्होंने कहा पिछले 9 साल में पंजाब में एनएच की 2 हजार 540 लंबाई बड़ी है। राज्य व देश का विकास करना है, तब इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा बनाना होगा और अगर इंफ्रास्ट्रक्चर अच्छा होगा, तब उद्योग आएंगे, जिससे रोजगार मिलेगा। गडकरी ने कहा कि अमृतसर एयरपोर्ट से रामदास तक 2024 में 4 लेन हाईवे का काम पूरा हो जाएगा, जिससे श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर तक का रास्ता आसान हो जाएगा। सड़के अच्छी होंगी तब किसान भी खुशहाल होगा।

गडकरी ने ऐलान किया कि लुधियाना से बठिंडा तक ग्रीनफील्ड हाईवे बनाया जाएगा जिसकी लंबाई 75 कि.मी. होगी। इस प्रोजेक्ट पर 2 हजार करोड़ रुपए का खर्चा आएगा। इस हाईवे से लुधियाना से बठिंडा की दूरी 45 मिनट में तय होगी। ये प्रोजेक्ट 2025 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसके अलावा इस हाईवे की कनैक्टीविटी हलवारा एयरपोर्ट तक भी होगी। एक्सप्रेस वे के साथ ग्रीन एक्सप्रेस वे भी बना रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने पंजाब सरकार से अपील कर कहा कि भूमि अधिग्रहण के काम में तेजी लाए। जमीन अधिग्रहण से सड़कें तेजी से बनेंगी। उन्होंने कहा कि हम किसानों को अन्नदाता से ऊर्जावान बनाएंगे। पराली जलाने की बजाय उससे इथेनॉल बनाया जाएगा। इथेनॉल से सभी वाहनों को चलाएंगे। उन्होंने कहा कि मेरी कार भी इथेनॉल से चलती है। पेट्रोल की जगह इथेनॉल बनेगा। उन्होंने किसानों से पराली को न जलाने के अपील भी की है।

जिन प्रोजेक्ट बुधवार को उद्घाघटन किया गया। उनमें 596 करोड़ की लागत से लुधियाना में बना जीटी रोड और राष्ट्रीय राज्य मार्ग को जोड़ने वाले 4 लेन का लाडो व बाईपास शामिल हैं। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री गड़करी ने जालंधर, होशियारपुर सहित आसपास के इलाकों में 29 नए प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया है। जिसमें लुधियाना में जीटी रोड पर एनएच 5 को जोड़ने के लिए 4 लेन लाडोवाल बाईपास, लुधियाना शहर में 6 लेन फ्लाईओवर पर 2 आरओबी की उसारी, तवंडी भाई से फिरोजपुर सैक्शन के 4 लेन का निर्माण, करतारपुर, अमृतसर के गहरी मोडी गांव में आरओबी का निर्माण, जालंधर में कंगनीवाल गांव व तरनतारन बाईपास में आरओबी, जालंधर के दकोहा रेलवे क्रासिंग नजदीक अंडरपास का निर्माण, फगवाड़ा-होशियारपुर फोर लेन सड़क का नींव पत्थर, ऊना रोड होशियारपुर के ने बाईपास का नींव पत्थर, फिरोजपुर बाईसाप 4 लेन की निर्माण, अमृतसर, कपूरथला व लुधियाना में 9 सड़कों का प्रोजेक्ट, सुल्तानपुर लोधी-मक्खू सैक्शन का 4 लेन का निर्माण, फिरोजपुर के मधारे गांव में 2 लेन आरओबी का निर्माण शामिल हैं।

केजरीवाल भले जय श्रीराम बोलें, लेकिन कांग्रेस का साथ उनकी मजबूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल भले ही जय श्रीराम के नारे लगाएं लेकिन कांग्रेस का साथ उनकी मजबूरी है। जानकार बता रहे हैं कि आम आदमी पार्टी की राजनीति कांग्रेस के वोटों में हिस्सेदारी से ही चलती है। इंडिया ब्लॉक के सीट बंटवारे में भी यही देखने को मिल रहा है। देश के जिन पांच राज्यों में कांग्रेस और आप गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं, वहां बीजेपी से मुकाबले से पहले दोनों अब तक आपस में ही लड़ते रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने 2013 में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के खिलाफ शानदार चुनावी जीत के साथ अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को चुनावों में तो हराया ही, उसी की मदद से दिल्ली में पहली सरकार भी बनाई, तभी तो आज भी दिल्ली कांग्रेस के नेता अरविंद केजरीवाल के साथ चुनावी गठबंधन के लिए खुले दिल से तैयार नहीं हो पाते। 2019 के आम चुनाव में अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में कांग्रेस के साथ चुनावी गठबंधन की खूब कोशिशें की, लेकिन तब फैसले का अधिकार फिर से शीला दीक्षित के हाथों में ही आ गया था।

लेकिन शीला दीक्षित अपने रुख पर कायम रहीं, और आम आदमी पार्टी के साथ चुनावी समझौता नहीं ही किया। नतीजे आये तो शीला दीक्षित का फैसला भी सही साबित हुआ। कांग्रेस ने दिल्ली की सभी सात सीटों पर आप को तीसरे स्थान पर धकेल दिया था। दिल्ली की ही तरह पंजाब में भी आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को ही बेदखल कर सत्ता हासिल की है, फिर भी दिल्ली और पंजाब की परिस्थितियां अलग देखने को मिली थीं। देखा जाये तो दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस से सत्ता छीन ली थी, लेकिन 2022 के चुनाव में पंजाब में तो ऐसा लगा जैसे कांग्रेस ने पूरी पूरी मदद कर दी हो।

ठिठुरती दिल्ली का तापमान हुआ 7.1 डिग्री सेल्सियस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ती ठंड और कोहरे के चलते दिल्ली ठिठुर रही है। वहां लोगों की दैनिक दिनचर्या पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। काम धंधे पर निकलने वाले को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आज न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत जितना ही है। अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सर्दी की वजह से लोगों के जनजीवन पर भी विपरीत असर पड़ रहा है।कोहरे और तेज सर्दी के कारण लोग परेशान हैं। ट्रेनें, बसें लेट हो रही है। इस वजह से आमजन भी ऑफिस व दुकानों पर देरी से पहुंच रहे हैं। बाजार देरी से खुल रहे हैं और जल्दी बंद हो रहे हैं। खरीदारों को भी खरीद फरोख्त में काफी परेशानी हो रही है। मंगलवार को शहर का अधिकतम तापमान 13.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो मौसमी औसत से छह डिग्री कम है। शहर में बुधवार सुबह 7:30 बजे सफदरजंग में सबसे कम दृश्यता 700 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम में 8:30 बजे दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई। भारतीय रेलवे के मुताबिक, कोहरे और शीत लहर के कारण कुल 18 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शहर भर के कई स्टेशनों पर वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के आनंद विहार में पीएम2.5 का स्तर 307 पर बहुत खराब श्रेणी में और पीएम10 का 181 पर मध्यम श्रेणी में रहा। सीओ (कार्बन मोनोऑक्साइड) 135 या मध्यम पर था। शून्य और 50 के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को अच्छा; 51 और 100 के बीच संतोषजनक; 101 और 200 के बीच मध्यम; 201 और 300 के बीच खराब; 301 और 400 के बीच बहुत खराब; तथा 401 और 500 के बीच गंभीर माना जाता है।इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे के टर्मिनल 3 पर भी पीएम2.5 का स्तर 292 रहा, जो खराब श्रेणी है, जबकि पीएम10 का स्तर 166 पर मध्यम श्रेणी में था। बता दें कि आईएमडी कोहरे की तीव्रता को चार प्रकारों में वर्गीकृत करता है- उथला, मध्यम, घना और बहुत घना कोहरा। इनमें दृश्यता क्रमशः 999 मीटर से 500 मीटर, 499 मीटर से 200 मीटर, 199 मीटर से 50 मीटर और 50 मीटर से कम होती है।

लोस चुनाव: नीतीश की पीएम दावेदारी को लेकर जदयू हुआ इंडिया गठबंधन पर हावी

पटना (एजेंसी)। दिल्ली बैठक में नीतीश कुमार की भूमिका को लेकर तस्वीर साफ नहीं होने से जदयू इंडिया गठबंधन खासकर कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। कुछ दिन पहले तक जदयू के नेता इशारों में नीतीश कुमार को संयोजक बनने की मांग तेज कर रहे थे, लेकिन अब जेडीयू नेताओं के सुर बदल गए हैं और नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की मांग कर रहे हैं। इन नेताओं की ओर से यह भी दावा किया जा रहा है कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो एनडीए को 2024 में नहीं हराया जा सकता है।

दरअसल, जैसे ही जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर नीतीश कुमार की ताजपोशी हुई है तब से ही जदयू इंडिया गठबंधन पर इस बात को लेकर दबाव और बढ़ा रहा है कि सीट बंटवारे में काफी देर हो चुकी है, जिसकी वजह से इंडिया गठबंधन की मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं। जदयू के इस आक्रामक रवैये को लेकर चर्चा बेहद तेज है कि आखिरकार जदयू की आक्रामकता के पीछे वजह क्या है? दरअसल सूत्र बताते हैं कि इसके पीछे भी जदयू की खास रणनीति है। जदयू के सबसे बड़े नेता नीतीश कुमार राजनीति में बेहद हार्ड बार्गेनर माने जाते हैं। जब तक सीट बंटवारा नहीं हो जाता है तब तक वो इस तरह का माहौल बनाना चाहते हैं कि जदयू अपनी सीटिंग सीट से कोई समझौता नहीं करने वाला है। फिलहाल जिस तरह से जदयू नेता आक्रामक होकर सीट को लेकर बयान दे रहे हैं इससे ये तस्वीर साफ-साफ दिख भी रही है।

नीतीश कुमार की भूमिका भले ही इंडिया गठबंधन में तय नहीं किया गया हो, लेकिन नीतीश कुमार के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद इंडिया गठबंधन को ये मैसेज देने की कोशिश की जा रही है कि नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर के नेता हैं और इनकी भूमिका इंडिया गठबंधन में किसी भी नेता से ज्यादा बड़ी है। नीतीश कुमार की पार्टी के कड़े तेवर ने बिहार में भी महागठबंधन के सहयोगियों को ये साफ-साफ संदेश देने की कोशिश की है कि बिहार में भले ही जदयू तीसरे नंबर की पार्टी है, लेकिन बावजूद इसके बिहार की राजनीति खासकर महागठबंधन की राजनीति इसी के इर्द गिर्द घूमेगी जिसे नीतीश कुमार कार्यांवित करेगें। यही नहीं बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी भी फिलहाल नीतीश कुमार के पास ही रहेगी। नीतीश कुमार और उनकी पार्टी के आक्रामक तेवर की वजह से उनकी पार्टी के नेताओं में भी आक्रामकता आई है। बीते दिनों पार्टी में टूट का जो खतरा बताया जा रहा था, न सिर्फ उन अटकलों पर विराम लगा है, बल्कि पार्टी एकजुटता के साथ चुनावी मैदान में जाने की तैयारी में जुट गई है। नीतीश कुमार की पार्टी के बयानों से ख़ासकर बड़े नेताओं के बयान से इस बात की सुगबुगाहट भी तेज है कि क्या भाजपा के साथ भी कोई संभावना है? इसे लेकर ऐसी अटकलों को जदयू के नेता खारिज कर रहे हैं, लेकिन सियासी हलके में जदयू के तेवर ने महागठबंधन की परेशानी फिलहाल तो बढ़ा ही दी है।

भारत आना चाहते थे मुइज्जू, लेकिन इंडिया आउट ने रुख बदला

नई दिल्ली (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू भले ही भारत की यात्रा पर आना चाहते थे, लेकिन उनके इंडिया आउट के रुख ने मंसूबे साफ कर दिए। अब वह लाख चाहें लेकिन भारत यात्रा के प्रस्ताव पर शायद ध्यान नहीं दिया जाएगा। बता दें कि मालदीव के प्रशासन ने दिसंबर 2023 में उनकी भारत यात्रा के लिए एक प्रस्ताव भेजा था। सूत्रों के मुताबिक मालदीव ने दिसंबर 2023 में भारत आने के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू के 17 नवंबर के शपथ ग्रहण समारोह से पहले तारीखों का प्रस्ताव दिया था। मालदीव सरकार अभी भी भारतीय पक्ष द्वारा तारीख की पुष्टि करने का इंतजार कर रही है। वर्तमान में मुइज्जू चीन की एक सप्ताह की यात्रा पर हैं और इससे पहले उन्होंने भारत की यात्रा करने के बजाय तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा की, जैसा कि पिछले कई राष्ट्रपतियों द्वारा कार्यभार संभालने पर किया गया है। जानकारी के अनुसार मालदीव की ओर से एक प्रस्ताव था, और अगर भारत सहमत होता, तो भी वह नई दिल्ली को राष्ट्रपति की पहली आधिकारिक विदेश यात्रा नहीं बनाता क्योंकि उन्होंने पहले गंतव्य के रूप में तुर्की को चुना था और राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 26 नवंबर को वहां थे। मुइज्जू की तुर्की यात्रा के बाद 30 नवंबर, 2023 को संयुक्त अरब अमीरात में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन सीओपी 28 में उनकी भागीदारी हुई। चीन समर्थक और भारत विरोधी रुख की बात आती है तो मुइज्जू प्रशासन स्पष्ट रूप से अपनी स्थिति और झुकाव पर एक संदेश भेजने की कोशिश कर रहा है। इसकी शुरुआत उनके चुनाव अभियान से हुई, जो इंडिया आउट चुनावी मुद्दे पर लड़ा गया। बड़े अक्षरों में इंडिया आउट लिखी लाल टी-शर्ट पहने राष्ट्रपति मुइज्जू के दृश्य अभी भी हर किसी की आंखों के सामने ताजा हैं। उन्होंने अपने देश से भारतीय सैनिकों को वापस बुलाने की मांग की, जो पूरी तरह से चिकित्सा और मानवीय प्रयासों में सहायता करने में शामिल थे।

एशिया का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट कल से

68 साल में एक भी खिताब नहीं जीत सका भारत, पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से

कतर (एजेंसी)। कतर में दो दिन बाद एशिया का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट एएफसी एशियन कप शुरू हो रहा है। भारत का पहला ही मुकाबला 2015 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से होगा। भारतीय टीम ने पहली बार लगातार दो सीजन के लिए क्वालिफाई किया है। ब्लू टाइगर्स के नाम से मशहूर हो रही भारतीय टीम को को ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान और सीरिया के साथ रखा गया है। भारत 5वीं बार एशियन कप खेल रहा है। टीम के सामने एशिया की टॉप-24 टीमों का चैलेंज होगा। भारतीय टीम 68 साल से इस टूर्नामेंट में खेल रही है लेकिन आज तक चैंपियन नहीं बन सकी। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का अब तक का बेस्ट परफॉर्मेंस 1964 में आया है। तब टीम दूसरे नंबर पर रही थी। इजराइल चैंपियन बना था।

एशियन कप क्यों खास - जैसे यूरो कप यूरोप और कोपा अमेरिका लैटिन अमेरिका का टॉप इंटरनेशनल टूर्नामेंट है, ठीक वैसे ही एशियन कप फुटबॉल एशियाई महाद्वीप का सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट है। इस टूर्नामेंट में पूरे एशिया की टॉप 24 टीमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट का आयोजन हर 4 साल में होता है और यह

1956 से (68 सालों से) खेला जा रहा है। यह टूर्नामेंट का 18वां एडिशन है।

भारत का शेड्यूल

1. **ऑस्ट्रेलिया (13 जनवरी, शाम 5.00 बजे से)** - ऑस्ट्रेलिया 2015 की चैंपियन है। टीम को 2006 में एशियन फुटबॉल फेडरेशन की सदस्यता मिली और 2007 से टीम ने हर संस्करण में हिस्सा लिया। टीम 2022 के फीफा वर्ल्ड कप में राउंड-16 तक पहुंची थी। पिछले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 7-0 से भी हराया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 8 मैच खेले गए, 5 में ऑस्ट्रेलिया को और 2 में भारत को जीत मिली। एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। आखिरी बार भारत ने 1956 में ऑस्ट्रेलिया को 7-1 से हराया था, तब भारत एशिया की टॉप टीम थी। दोनों टीमें आखिरी बार 2011 के एशियन कप में भिड़ी थें, तब भारत को 0-4 से हार का सामना करना पड़ा था।
2. **उज्बेकिस्तान (18 जनवरी, रात 8.00 बजे से)** - भारत को उज्बेकिस्तान के खिलाफ पहली जीत का इंतजार है। 1996 से टीम लगातार एशियन कप खेल रही है। हाल ही में वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में उज्बेकिस्तान ने तुर्कमेनिस्तान (3-1), किर्गिस्तान (4-1) और फिलिस्तीन को (1-0) हराया। एशिया की टॉप टीमों में से एक ईरान के खिलाफ भी टीम ने हाल ही में 2-2 से ड्रॉ खेला था। भारत-उज्बेकिस्तान की आखिरी भिड़ंत 2001 के मेरडेका टूर्नामेंट में हुई थी, तब टीम इंडिया को 1-2 से हार मिली। अब तक हुए दोनों के बीच हुए 6 मैचों में से 4 भारत ने गंवाए, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ भी रहे।
3. **सीरिया (23 जनवरी, शाम 5 बजे से)** - भारतीय टीम सीरिया के खिलाफ जीत सकती है। भारत ने 6 में से 3 मैचों में सीरिया को हराया है, 2 में टीम को हार मिली, जबकि एक मुकाबला ड्रॉ भी रहा। सीरिया ने वर्ल्ड कप क्वालिफायर्स में नॉर्थ कोरिया को 0-1 से हराया। टीम किर्गिस्तान (1-1) और मलेशिया के खिलाफ (2-2) ड्रॉ खेल सकी। उसे इकलौती हार जापान के खिलाफ 0-5 से मिली थी।

भारत के खिलाफ नहीं खेलेंगे राशिद खान

कप्तान जादरान बोले- लेग स्पिनर मैच के लिए अनफिट, कमी खलेगी लेकिन टीम अब भी स्ट्रॉन्ग

मोहाली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार ऑलराउंडर राशिद खान भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज नहीं खेल पाएंगे। टीम के कप्तान इब्राहिम जादरान ने कन्फर्म किया कि वह मैच खेलने के लिए फिट नहीं हैं। उनकी कमी महसूस होगी, लेकिन टीम में मुजीब, नूर और नबी जैसे टॉप क्लास स्पिनर्स अब भी अवेलेबल हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच टी-20 सीरीज कल यानी गुरुवार से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला मोहाली के आईएस बिंद्रा स्टेडियम में खेला जाएगा।

राशिद पूरी तरह फिट नहीं -स्पोर्ट्स-स्टार की रिपोर्ट अनुसार, 25 साल के स्टार ऑलराउंडर ने 2 महीने पहले पीठ की सर्जरी कराई थी। वह टीम के साथ चंडीगढ़ पहुंचे और कुछ देर बॉलिंग भी की। लेकिन मैच से पहले कप्तान इब्राहिम जादरान ने कहा, राशिद पूरी तरह फिट नहीं है, उन्हें मैच फिट होने में अभी कुछ और समय लगेगा।

उम्मीद है राशिद जल्दी फिट हो जाएंगे - इब्राहिम जादरान ने कहा, राशिद टीम के साथ ट्रैवल कर रहे हैं लेकिन वह फिलहाल फिट नहीं है। उम्मीद है कि वह जल्दी फिट हो जाएंगे। वह डॉक्टर्स के कॉर्डिनेशन में रिहैब कर रहे हैं और सीरीज में उनकी कमी महसूस होगी।

टीम अब भी मजबूत - जादरान ने आगे कहा, राशिद का अनुभव अहम है लेकिन उनके बिना भी टीम मजबूत है। स्पिन डिपार्टमेंट में मुजीब उर रहमान और नूर अहमद पर टीम को जिताने की जिम्मेदारी रहेगी। वहीं सबसे अनुभवी मोहम्मद नबी भी सिलेक्शन के लिए अवेलेबल रहेंगे। भारत में भारत के खिलाफ खेलना मुश्किल रहेगा लेकिन टीम यहां अपनी स्किल्स दिखाने आई है। हमारे पास कई अच्छे टी-20 प्लेयर्स हैं। खिलाड़ी अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और मुझे यकीन है कि हम टीम इंडिया को अच्छा कॉम्पिटिशन दे पाएंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, स्मिथ को मिली कप्तानी

कैनबरा (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 17 जनवरी से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 13 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की जिसमें डेविड वार्नर के संन्यास के बाद नए ओपनरों को शामिल किया गया है। वहीं वनडे सीरीज के लिए भी 13 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की गई है जिसकी कप्तानी स्टीव स्मिथ को सौंपी गई है। युवा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन को टेस्ट टीम में वापसी का मौका मिल गया है जबकि मैथ्यू रेनशॉ को भी डेविड वार्नर के संभावित कवर के रूप में शामिल किया गया है जिन्होंने हाल ही में रेड-बॉल प्रारूप से संन्यास ले लिया है। रेनशॉ को मार्कस हैरिस और कैमरून बैनक्रॉफ्ट जैसे खिलाड़ियों से पहले टेस्ट टीम में शामिल करने की मंजूरी दी गई थी। पहले टेस्ट से पूर्व चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने पुष्टि की कि ग्रीन अंतिम एकादश में शामिल होंगे। बेली ने यह भी पुष्टि की कि रेनशॉ (ब्रिस्बेन हीट) और स्कॉट बोलैंड (मेलबोर्न स्टार्स) पहले टेस्ट के लिए टीम में शामिल होने से पहले अपनी संबंधित बिग बैश लीग फ्रेंचाइजी के लिए खेलेंगे। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से बेली ने कहा, एडिलेड में टेस्ट के लिए कैमरून ग्रीन अंतिम एकादश में आएंगे, जिसमें स्कॉट बोलैंड और मैथ्यू रेनशॉ भी होंगे। स्कॉट बोलैंड और मैट रेनशॉ बीबीएल में मेलबर्न स्टार्स (15 जनवरी) और ब्रिस्बेन हीट (13 जनवरी) के लिए खेलने के बाद पहले टेस्ट से पहले टीम में शामिल होंगे।

- **ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम** - पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिशेल मार्श, मैथ्यू रेनशॉ, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क
- **ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम** - स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबॉट, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, आरोन हार्डी, ट्रैविस हेड (उपकप्तान), जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, झाय रिचर्डसन, मैट शॉर्ट, एडम जम्पा।

रेनशॉ के वार्नर के कवर के रूप में काम करने के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम द्वारा ओपनिंग स्लॉट में स्टीव स्मिथ का सहारा लेने की भी संभावना है। अनुभवी बल्लेबाज ने सिडनी में तीसरे टेस्ट के समापन के बाद सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने में रुचि व्यक्त की थी।

दो मैचों की टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। जहां पैट कमिंस टेस्ट प्रारूप में टीम का नेतृत्व करेंगे, वहीं स्टीव स्मिथ वनडे सीरीज में कमान संभालेंगे क्योंकि विश्व कप विजेता कप्तान को आराम दिया जाएगा।

टेस्ट रैंकिंग में नंबर-6 पर पहुंचे कोहली

● रोहित की टॉप-10 में वापसी ● बॉलर्स में बुमराह नंबर-4 पर आए, अश्विन टॉप पर

दुबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली आईसीसी टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में नंबर-6 पर पहुंच गए हैं। पिछले दिनों साउथ अफ्रीका दौरे पर विराट भारत के टॉप रन स्कोरर थे, उन्होंने 172 रन बनाए थे। इस प्रदर्शन के कारण उन्हें 3 स्थान का फायदा हुआ और वह 9वें से छठे नंबर पर पहुंच गए।विराट के अलावा कप्तान रोहित शर्मा भी 4 स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गए। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह एक स्थान के फायदे के साथ नंबर-4 पर पहुंच गए। बॉलर्स में रविचंद्रन अश्विन टॉप पर बरकरार हैं।

साउथ अफ्रीका में विराट ने दिखाया था अनुभव -विराट कोहली साउथ अफ्रीका दौरा शुरू होने से पहले टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में 9वें नंबर पर थे। पहले ही मैच में उन्होंने 38 और 76 रन की पारियां खेल दीं। दूसरे मैच में जहां

भारत के 7 बैटर्स खाता भी नहीं खोल सके, वहां विराट 46 रन बनाकर टीम के टॉप रन स्कोरर रहे। दूसरी पारी में उन्होंने 12 रन बनाए थे। सीरीज में 172 रन बनाकर विराट टीम इंडिया के टॉप रन स्कोरर रहे। उनके बाद केएल राहुल टीम के दूसरे टॉप स्कोरर थे।

रोहित ने टॉप-10 में वापसी की - इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की लेटेस्ट बैटर्स रैंकिंग में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन टॉप पर हैं। बैटर्स में विराट छठे नंबर पर हैं। वहीं टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा 4 स्थान की छलांग लगाकर 10वें नंबर पर आ गए।

बुमराह नंबर-4 पर पहुंचे, अश्विन टॉप पर - आईसीसी की टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह को भी फायदा हुआ। वह एक स्थान के फायदे के साथ नंबर-4 पर पहुंच गए। उन्होंने साउथ अफ्रीका दौरे पर 3 ही पारियों में 12 विकेट झटके थे। इस प्रदर्शन के लिए बुमराह को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड भी मिला।

सिराज को 13 स्थान का फायदा - बुमराह के अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ। वह 13 स्थान की छलांग लगाकर 17वें नंबर पर पहुंच गए। बॉलर्स रैंकिंग में भारत के ही ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन टॉप पर हैं। जबकि रवींद्र जडेजा पांचवें नंबर पर हैं। यानी टॉप-5 बॉलर्स में 3 भारतीय शामिल हैं। बॉलर्स में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस दूसरे और साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। कमिंस को एक स्थान का फायदा, जबकि रबाडा को एक स्थान का नुकसान हुआ।

ऑलराउंडर्स में भी भारतीयों का दबदबा - आईसीसी के टेस्ट ऑलराउंडर्स में भी भारतीय खिलाड़ियों का ही दबदबा है। पहले नंबर पर लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा और दूसरे नंबर पर राइट आर्म ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन हैं। इतना ही नहीं अक्षर पटेल भी पांचवें नंबर पर हैं। वह फिलहाल इंग्लैंड के जो रूट के साथ संयुक्त रूप से नंबर-5 पर हैं। दोनों के 286 रेटिंग पॉइंट्स हैं।

टीमों में ऑस्ट्रेलिया टॉप पर - टेस्ट टीम रैंकिंग में भारत को साउथ अफ्रीका में टेस्ट हारने का नुकसान हुआ। 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ रही थी, भारत ने पहला टेस्ट गंवाया लेकिन दूसरे में टीम को जीत मिली थी। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान को 3-0 से हराया। ऑस्ट्रेलिया टीम 121 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर पहुंच गई, जबकि टीम इंडिया 117 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर आ गई। भारत वनडे और टी-20 की टीम रैंकिंग में पहले नंबर पर है। टीम कल यानी गुरुवार से अफगानिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज खेलेगी।

रणजी मैच खेलेंगे श्रेयस अय्यर

मुंबई ने स्क्वॉड में शामिल किया, मुकाबला 12 जनवरी से, भारत की टी-20 टीम से हैं बाहर

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा बैटर श्रेयस अय्यर रणजी ट्रॉफी मैच खेलते नजर आएंगे। मुंबई ने उन्हें अपने स्क्वॉड में शामिल किया। टीम 12 जनवरी से आंध्र प्रदेश के खिलाफ एलिट ग्रुप में अपना दूसरा मुकाबला खेलेगी। श्रेयस को अफगानिस्तान के खिलाफ टी-20 स्क्वॉड से बाहर रखा गया है। टी-20 सीरीज 11 जनवरी से शुरू होकर 17 जनवरी तक चलेगी।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट खेल सकते हैं - मुंबई को 12 जनवरी से आंध्र प्रदेश के खिलाफ सेकेंड राउंड का मैच खेलना है। मुकाबला मुंबई के ही वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। श्रेयस को भारत की टी-20 टीम में जगह नहीं मिली लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड में वापसी कर सकते हैं। साउथ अफ्रीका में पिछले दौरे पर 4 पारियों में वह 31, 6, 0 और 4 रन के स्कोर ही बना सके थे। ऐसे में रणजी मुकाबला खेलना उनके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

वर्ल्ड कप में लगाए थे 2 शतक -श्रेयस पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में इंजर्ड हो गए थे। इंजरी के कारण वह आईपीएल डब्ल्यूटीसी का फाइनल और

वेस्टइंडीज में सीरीज नहीं खेल सके थे। इंजरी के बाद उन्होंने एशिया कप से वापसी की लेकिन वनडे वर्ल्ड कप में उन्होंने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। टूर्नामेंट में श्रेयस ने नंबर-4 पर बैटिंग करते हुए 2 शतक लगाए और 500 से ज्यादा रन भी बनाए।

2018-19 में खेला था आखिरी रणजी मैच - 29 साल के श्रेयस अय्यर मुंबई से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने 2018-19 के सीजन में टीम के लिए आखिरी रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। श्रेयस के आने से मुंबई मजबूत होगी, क्योंकि टीम में शिवम दुबे और सरफराज खान नहीं रहेंगे। सरफराज इंडिया-ए स्क्वॉड का हिस्सा हैं और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ फर्स्ट क्लास मैच खेलेंगे। मुकाबला 12-13 जनवरी को खेला जाएगा। वहीं दुबे अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टी-20 टीम का हिस्सा हैं।

पृथ्वी शॉ इंजर्ड, रहाणे करेंगे कप्तानी - ओपनर पृथ्वी शॉ पिछले साल अगस्त में इंजर्ड होने के बाद कॉम्पिटिटिव क्रिकेट से दूर से हैं। वह घुटने की चोट से उबर रहे हैं। अजिंक्य रहाणे दूसरे मैच में मुंबई की कप्तानी करते नजर आएंगे, वह बिहार के खिलाफ पहले मैच में गर्दन में खिंचाव के कारण नहीं खेल सके थे। रहाणे की जगह लेफ्ट आर्म स्पिन ऑलराउंडर शम्स मुलानी ने कमान संभाली थी। टीम ने बिहार को पारी और 51 रन से हराया था।

मुंबई का स्क्वॉड- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), श्रेयस अय्यर, जय बिस्टा, भूपेन लालवानी, अमोघ भटकल, सुवेद पारकर, प्रसाद पवार (विकेटकीपर), हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, अथर्व अंकोलेकर, मोहित अवस्थी, धवल कुलकर्णी, रॉयस्टन डायस, सिल्वेस्टर डिसूजा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय हॉकी टीम का ऐलान, हरमनप्रीत को कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने 22 जनवरी से दक्षिण अफ्रीका में होने वाले चार देशों के टूर्नामेंट के लिए भारत की 26 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है जिसमें जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को भी मौका मिला है। पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण माने जा रहे इस टूर्नामेंट में तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत का सामना फ्रांस, नीदरलैंड और मेजबान दक्षिण अफ्रीका से होगा। टीम की कमान हरमनप्रीत सिंह के हाथ में ही होगी जबकि एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाले हार्दिक सिंह उप-कप्तान होंगे। जूनियर स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा अराइजीत सिंह हुंडल और बॉबी सिंह धामी पहली बार सीनियर स्तर पर खेलेंगे। गोलकीपिंग में पवन को कृशन पाठक और पी आर श्रीजेश के साथ मौका दिया गया है। पिछले टूर्नामेंट से ब्रेक पर रहे अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह की भी वापसी हुई है।

मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने इस दौरे के बारे में कहा, 'ओलंपिक सत्र की शुरूआत दक्षिण अफ्रीका दौरे से करने को लेकर हम काफी उत्साहित है जहां हमें बेहतरीन टीमों से खेलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, 'हमने बड़ी टीम चुनी है ताकि सभी खिलाड़ियों को मौका मिल सके और एफआईएच प्रो लीग से पहले मैं सभी को मैच हालात में खेलते देख सकूं। दो जूनियर खिलाड़ी भी चुने गए हैं जिन पर नजरें रहेंगी। भारतीय टीम 22 और 24 जनवरी को फ्रांस से (दोपहर 2.30 से), 26 जनवरी को दक्षिण अफ्रीका से (रात 9. 30 से) और 28 जनवरी को नीदरलैंड से (दोपहर दो बजे से) खेलेगी।

भारतीय टीम

गोलकीपर - पी आर श्रीजेश, कृशन पाठक और पवन

डिफेंडर - जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), वरूण कुमार, सुमित, संजय, रबिचंद्र सिंह मोइरांगथम

मिडफील्डर -विवेक सागर प्रसाद, नीलाकांता शर्मा, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विष्णुकांत सिंह, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह

फॉरवर्ड - मनदीप सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, ललित उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, अराइजीत सिंह हुंडल, बॉबी सिंह धामी।

भारत-अफगानिस्तान पहला टी-20 आज

मोहाली (एजेंसी)। वनडे वर्ल्ड कप के 3 चैंपियन इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को 3 महीने पहले ही भारत में हराने वाली अफगानिस्तान टीम फिर भारत आ रही है। टीम कल यानी 11 जनवरी से भारत में 3 टी-20 की सीरीज का पहला मैच खेलेगी। सीरीज जून में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिहाज से अहम है।

50 ओवर के फॉर्मेट में हाल-फिलहाल कमाल का खेल दिखलाने वाली अफगान टीम ने टी-20 फॉर्मेट में खेले गए कुल मैचों में से 63 प्रतिशत जीते हैं। हालांकि अफगान टीम भारत के खिलाफ किसी भी फॉर्मेट में कोई मैच नहीं जीत सकी है।

भारत-अफगानिस्तान के 5 टी-20 हुए, 4 में भारत जीता - टी-20 फॉर्मेट

में भारत और अफगानिस्तान के बीच 5 मैच हुए हैं। 4 भारत ने जीते, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा। वहीं सभी फॉर्मेट मिलाकर दोनों टीमों के बीच 10 मैच हुए, 8 भारत ने जीते। एक मैच टाई रहा, जबकि एक बेनतीजा रहा।

अफगान टीम ने 62.80 प्रतिशत टी-20 जीते, 24 में से 17 सीरीज

अफगान टीम ने इस फॉर्मेट में 63 प्रतिशत मैच जीते भारत के खिलाफ पहली जीत का इंतजार

अपने नाम की - अफगानिस्तान का ओवरऑल टी-20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड शानदार रहा है। टीम ने 1 फरवरी 2010 को पहला टी-20 खेला था। तब से टीम ने 121 मैच खेले और 76 में जीत दर्ज की। यानी जीत परसेंटेज 62.80 प्रतिशत का रहा।

द्विपक्षीय सीरीज में भी टीम का रिकॉर्ड बेहतरीन रहा। टीम ने 24 सीरीज खेलीं और 70.83 प्रतिशत यानी 17 में जीत दर्ज की। 5 सीरीज टीम ने गंवाई, जबकि 2 ड्रॉ भी खेलीं।

अफगानिस्तान पहली बार भारत के खिलाफ 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगा और टीम ने अब तक ज्यादातर सीरीज एसोसिएट देशों के खिलाफ ही खेलीं। हालांकि टीम वेस्टइंडीज और पाकिस्तान को टी-20 सीरीज में मात दे चुकी है। इसलिए भारत के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है।

एशियन गेम्स के फाइनल तक पहुंची थी अफगानिस्तान - अफगानिस्तान की टीम ने टी-20 में तीन अलग-अलग तरह के मेजर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। इनमें टी-20 वर्ल्ड कप, एशिया कप और एशियन गेम्स शामिल हैं। एशिया कप और वर्ल्ड कप में टीम कभी नॉकआउट राउंड में नहीं पहुंच सकी। एशियन गेम्स में अफगानिस्तान ने पिछले साल ही सिल्वर मेडल जीता। तब भारत के खिलाफ टीम का गोल्ड मेडल मैच बारिश के कारण बेनतीजा रहा था। भारत को बेहतर टी-20 रैंकिंग के कारण गोल्ड मेडल दिया गया था।

अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि।

इतिहास से भी पुराना बनारस

यह कहना शायद मिथ्या होगी कि विश्व में ऐसा कोई हिन्दू है, जो कि उत्तरप्रदेश में गंगा नदी के पावन तट पर बसे काशी विश्वनाथ की नगरी वाराणसी के बारे में नहीं जानता। वाराणसी के साथ ही साथ इसे बनारस और काशी के नाम से भी जाना जाता है, जो कि विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक है। अगर हम यह कहें कि बनारस इतिहास, सभ्यता, मिथक और दंतकथाओं से भी पुराना है, तो यह गलत न होगा। वाराणसी को यह नाम यहां पर स्थित दो नदियों के कारण दिया गया, वरुण और असि। यह दोनों नदियां काशी में गंगा में समाहित हो जाती है, जिस कारण से इसका नाम वाराणसी पड़ा। पुराणों के अनुसार काशी का निर्माण स्वयं भगवान षिव और देवी पार्वती के द्वारा किया गया था और इसीलिये इसे तीर्थों का तीर्थ समझा जाता है।

कहां ठहरें

होटल ताज गंगेज, होटल सिद्धार्थ, होटल गौतम ग्रैंड, होटल इंडिया, प्रीति गेस्ट हाउस, अम्बिका लॉज, होटल मोती महल

कब जाएं

वैसे तो वाराणसी का मौसम हर समय सुहाना रहता है, लेकिन अगर आप वाराणसी जाना चाहते हैं, तो सबसे अच्छा समय सितंबर से मार्च को होगा, जब आप बारिश या गर्मी की समस्या के बिना आराम से पूरा नगर घूम सकते हैं।

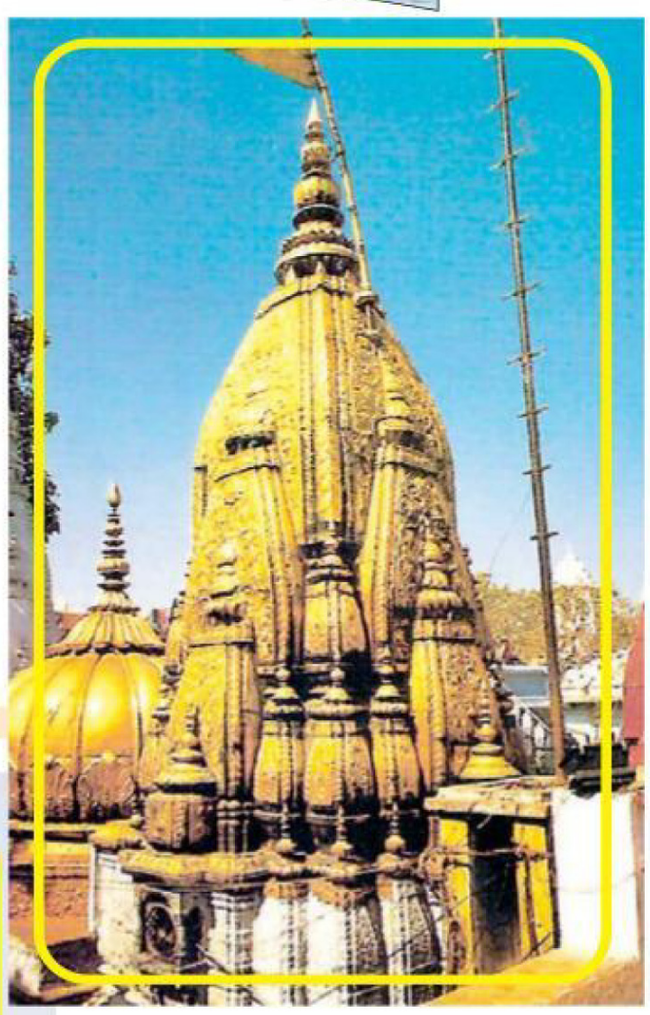

कैसे पहुंचें

रेल द्वारा: वाराणसी भारतीय रेलवे का एक मुख्य स्टेशन है। भारत के कई प्रमुख नगरों से वाराणसी के लिये सीधी ट्रेनें उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त वाराणसी से मात्र 16 किमी की दूरी पर स्थित मुगलसराय एक अन्य निकटतम प्रमुख स्टेशन है, जो कि भारत का सबसे बड़ा रेलवे यार्ड है।

सड़क द्वारा: वाराणसी एनएच 2, एनएच 7 और एनएच 29 के द्वारा भारत के सभी प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्यप्रदेष के सभी निकटतम प्रमुख नगरों से बस सेवा भी उपलब्ध रहती है। इसके अतिरिक्त आप निजी वाहन का प्रयोग भी कर सकते हैं।

वायुयान द्वारा: बाबतपुर एयरपोर्ट वाराणसी का प्रमुख एयरपोर्ट है, जो कि वाराणसी से 18 किमी की दूरी पर स्थित है।

क्यों देखें

चौरासी घाट: पवित्र गंगा नदी के तट को कुल चौरासी घाटों में विभाजित किया गया है, जिनमें स्नान करके शुद्ध होने के बाद ही श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के दर्शन को जाते हैं। वैसे तो लगभग सभी घाटों का कोई न कोई ऐतिहासिक महत्व है, लेकिन कुछ घाट ऐसे भी है, जो कि धार्मिक रूप से भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जैसे, काशी विश्वनाथ मंदिर के सबसे निकट स्थित दशाश्वमेध घाट के लिये माना जाता है कि यहां पर भगवान ब्रह्मा ने दस अश्वों की बलि दी थी। मणिकर्णिका घाट के लिये यह माना जाता है कि शिव के नृत्य करते समय यहीं पर उनके कान की मणि गिरी थी। हरिश्चन्द्र घाट के लिये यह किवदंती है कि इस घाट पर स्थित श्मशान पर ही राजा हरिश्चन्द्र काम किया करते थे। काशी का सबसे पहला घाट अस्सि घाट है और सबसे आखिरी आदि केशव घाट जिसे वेदेश्वर घाट भी कहते हैं। गंगा दशहरा के दिन यहां एक शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है, जो कि अस्सि घाट से वेदेश्वर घाट तक जाती है।

काशी विश्वनाथ: बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक काशी विश्वनाथ का मंदिर भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में स्थित भगवान शिव के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इस मंदिर की प्राचीनता का अंदाजा लगाना तो आज भी संभव नहीं है क्योंकि इस मंदिर का वर्णन पुराणों में भी किया गया है। वैसे तो इस मंदिर को कई बार क्षतिग्रस्त किया गया और कई बार इसका पुनर्निर्माण भी करवाया गया, लेकिन वर्तमान मंदिर का निर्माण इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सन् 1780 में करवाया गया था, जिसके बाद सन् 1835 में पंजाब के राजा महाराज रणजीत सिंह जी द्वारा इस मंदिर के गुंबदों पर करीब एक हजार किलोग्राम सोना लगवाया गया।

बिड़ला मंदिर: बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के एक भाग के रूप में स्थित नए विश्वनाथ मंदिर को ही बिड़ला मंदिर कहते हैं। पंडित मदन मोहन मालवीय द्वारा योजनाबद्ध किये गये इस मंदिर का निर्माण भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने बिड़ला परिवार द्वारा करवाया गया था। इस मंदिर के द्वार हर धर्म के लोगों के लिये खुले हैं।

कालभैरव मंदिर: कालभैरव मंदिर मुख्य पोस्ट ऑफिस विश्वेश्वरगंज के पास स्थित एक प्राचीन मंदिर है। ऐसा कहा जाता है कि कालभैरव काशी के रखवाले हैं और उनकी आज्ञा के बिना कोई भी बनारस में ठहर नहीं सकता है। इसीलिये उन्हें वाराणसी का कोतवाल भी कहते हैं।

सारनाथ: वाराणसी से करीब 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित सारनाथ भगवान बुद्ध को समर्पित है। सारनाथ बौद्ध धर्म का धार्मिक केन्द्र और चार तीर्थों में से एक है। बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति के बाद भगवान बुद्ध ने सारनाथ में ही अपने पांच शिष्यों को अपने पहले उपदेश दिये थे। सारनाथ में प्रवेश करते ही सबसे पहला महत्वपूर्ण स्थान चौखंडी स्तूप स्थित है, जिसका निर्माण सम्राट अशोक द्वारा करवाया गया था। धमेक स्तूप भी अत्यंत महत्वपूर्ण स्तूप है और इसी के पास स्थित मूलगंध कुटि विहार भी स्थित है, जो कि एक बौद्ध मंदिर है। इसके अतिरिक्त सारनाथ में अन्य कई बौद्ध मंदिर भी है, जैसे कि चीनी मंदिर, तिब्बती मंदिर, जापानी मंदिर आदि। सारनाथ संग्रहालय भी सारनाथ के प्राचीन इतिहास का एक झरोखा देखने के लिये एक अच्छा स्थान है।

रामनगर: वाराणसी से मात्र 14 किमी की दूरी पर रामनगर स्थित है, जो कि रामनगर किले के लिये प्रसिद्ध है। गंगा नदी के किनारे इस किले का निर्माण सन् 1750 में वाराणसी के राजा के द्वारा करवाया गया था, लेकिन यह आज अपने संग्रहालय के लिये प्रसिद्ध है, जिसमें विंटेज कार, शाही पालकी, तलवारें, बंदूकें आदि सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त भी वाराणसी में कई अन्य महत्वपूर्ण स्थान है, जैसे कि अन्नपूर्णा मंदिर, भारत कला भवन, काशी विद्यापीठ, दुर्गा मंदिर, जैन मंदिर आदि।

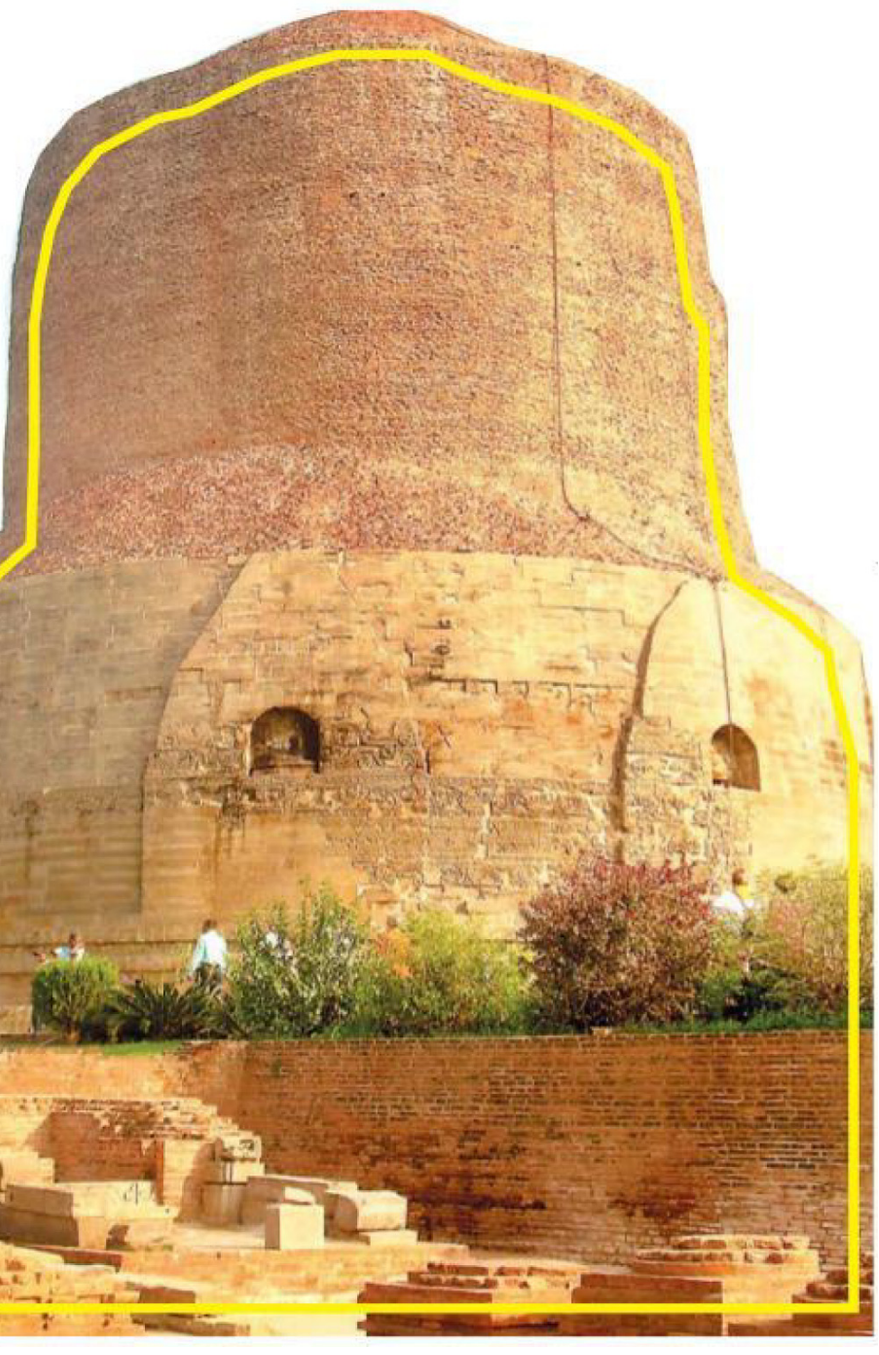

संकटमोचन मंदिर: काशी में असि नदी के किनारे रामभक्त हनुमान के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक संकटमोचन मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गोस्वामी तुलसीदास के द्वारा करवाया गया था। हनुमान जी को संकटमोचन के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है सभी संकटों को हरने वाला। इस मंदिर को वानर मंदिर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि यहां पर कई मंदिर है, जिन्हें प्रसाद दिए बिना आपका मंदिर से बाहर जा पाना मुश्किल है।

भारत माता मंदिर: वाराणसी का भारत मंदिर भारत माता को समर्पित किया गया एक मंदिर है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कैंपस में स्थित इस मंदिर का निर्माण बाबू शिव प्रसाद गुप्ता जी के द्वारा करवाया गया था, जिसका उद्घाटन सन् 1936 में महात्मा गांधी के हाथों से हुआ था। इस मंदिर में संगमरमर का बना भारत का एक नक्काशीदार मानचित्र है।

तुलसी मानस मंदिर: तुलसी मानस मंदिर का निर्माण वाराणसी के नागरिकों द्वारा किया गया था। यह मंदिर मूलरूप से भगवान राम और उनके जीवनचरित्र को समर्पित है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण उसी स्थान पर करवाया गया है, जहां पर गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की थी। इस मंदिर में एक रामचरितमानस का वर्णन करती हुई एक विद्युत प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

प्रतिभाशाली कलाकार हैं विजय सेतुपति

अभिनेत्री कटरीना कैफ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में वे साउथ अभिनेता विजय सेतुपति के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबर्दस्त क्रेज है। फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर और दो गाने रिलीज हो चुके हैं, जो दर्शकों को बेहद पसंद आ रहे हैं। वही, अब कटरीना कैफ ने विजय के साथ काम करने के बारे में बात की। इसके अलावा उन्होंने विजय के अभिनय की प्रशंसा की।

कटरीना ने विजय को कास्ट करने के बारे में बात की और कहा, श्रीराम राघवन ने मुझे नहीं बताया था कि वे विजय को कास्ट करने के बारे में सोच रहे हैं। हालांकि, जब उन्होंने मुझे बताया कि वे विजय को मुख्य भूमिका के लिए कास्ट कर रहे हैं, तो मैंने उनका नाम गूगल पर सर्च किया। मैं विजय के फिल्म में हिस्सा बनने को लेकर उत्साहित थी। जहां अन्य लोग उनकी कास्टिंग को असामान्य कह रहे हैं, मुझे ऐसा नहीं लगता। उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा, मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि जैसे दो कलाकार एक बहुत ही असामान्य कहानी के लिए एक साथ आ रहे हैं। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैंने पहली बार विजय को फिल्म क्लास ऑफ 83 में नोटिस किया था। विजय और श्रीराम दोनों ने उनसे कहा, उनकी फिल्म 83 नहीं, 96 है। कटरीना ने कहा, सॉरी 96, मुझे वास्तव में फिल्म 96 बहुत पसंद आई थी, इसमें ऐसे कई सीन थे, जो मुझे अभी तक याद हैं। उनकी अभिनय प्रतिभा की प्रशंसा करते हुए कटरीना ने कहा, वे प्रतिभाशाली कलाकार हैं। जो भी करते हैं बहुत ईमानदारी और निडर होकर करते हैं। उनके पास जीवन के प्रति एक अनोखा दृष्टिकोण है और वे उनके प्रदर्शन में दिखता है।

स्मिता पाटिल और रेखा जैसी पॉपुलैरिटी हासिल करना चाहती हूं

साउथ इंडस्ट्री की श्रिया रेड्डी हाल ही में सलार फिल्म में नजर आई थीं। इस फिल्म में वे विलेन राजा मन्नार की बिटिया राधा राम मन्नार के रोल में दिखीं। राधा भी अपने पिता की तरह खानसार की सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहती हैं। श्रिया हिंदी फिल्मों में स्मिता पाटिल और रेखा जैसी पॉपुलरिटी हासिल करना चाहती हैं। पेश हैं उनसे बातचीत के कुछ प्रमुख अंश।

सलार में आपकी कास्टिंग कैसे हुई?

मुझे इस इंडस्ट्री में 16 साल हो गए हैं। इस किरदार के लिए डायरेक्टर प्रशांत नील जी को एक स्ट्रॉन्ग हेडेड नजर आने वाली एक्ट्रेस की तलाश थी। एक ऐसी एक्ट्रेस जिसे स्क्रीन पर देखकर लोग डरें। हालांकि शुरूआत में जो उन्होंने मुझे इस किरदार का ब्रीफ दिया था, उससे मैं सहमत नहीं थी। फिर बाकी कई राउंड के डिस्कशंस के बाद मैं उस किरदार के मिजाज को एक्सेप्ट कर पाई।

रियल लाइफ में आप इस किरदार के कितने करीब हैं?

मैं भी उसी की तरह स्ट्रॉन्ग हेडेड हूं। मैं भी उसी तरह अपनी बात पूरी मजबूती से रखती हूं। प्रशांत नील खासकर इस किरदार के लिए एक पर्टिकुलर बॉडी लैंग्वेज चाहते थे। प्रशांत चाहते थे कि राधा के रोल में मैं खास तरह से ही डायलॉग बोलूं। आलम ये था कि मैं सेट पर पूरे टाइम सीरियस ही बनी रहती थी। शूट के ब्रेक में किसी से बात नहीं करती थी। यहां तक कि पूरे शूट में मैंने प्रभास से भी बात नहीं की। ऐसा इसलिए किया ताकि मैं कैरेक्टर में बनी रहूं। खुद प्रशांत नील की ओर से साफ इंस्ट्रक्शंस थे कि राधा कभी स्माइल नहीं करती तो मैं भी न करूं। मैंने वही किया।

ऐसा किरदार परफॉर्म करते वक्त आप मन में किसके बारे में सोचती थीं?

मन में तो किसी के बारे में नहीं सोचती थी। मगर हां, उस तरह की सख्त और ताकतवर शख्सियत के लिए जयललिता जी या फिर इंदिरा गांधी जी से काफी इंस्पिरेशन लिए। इंदिरा जी की जो पॉइज थी, वो कमाल की थी। उनका फेस सॉफ्ट था, मगर जब वो बोलतीं तो फिर समझ आता था कि क्या कमाल बोलती थीं। जब वो बोला करती थीं तो उन्हें सुनने के सिवाय और कोई ऑप्शन नहीं होता था। मैं स्मिता पाटिल जी की भी बड़ी फैन रहीं हूं। उनका लुक कमाल का था। सब कहा करते थे कि मेरा लुक और स्किन कलर उनके जैसा है। इन सारी इम्पावरिंग पर्सनैलिटी का मुझ पर कमाल का प्रभाव रहा है।

रोमांटिक जॉनर की फिल्मों में आप किस तरह का काम करना चाहेंगी?

फिल्म सिलसिला में जो रेखा जी का किरदार था। अगर मुझे मौका मिले तो मैं इस तरह का किरदार जरूर करना चाहूंगी। वैसे मैं स्मिता पाटिल जी से रेजोनेट करती हूं। अगर मैं कभी भी शबाना आजमी जी की तरह पांच से दस फीसदी भी एक्ट कर पाई, तो खुद को बहुत खुशनसीब समझूंगी।

सलार 2 तो शुरू नहीं हुई है ना?

जी हां। उसमें मेरे ख्याल से अभी वक्त लगेगा। सलार 2 जरूर होगी। मगर ये तो प्रशांत और होम्बले फिल्म्स ही जानते हैं कि कब होगी? चूंकि पार्ट वन पूरी नहीं हुई है तो उसे पूरा करने के लिए पार्ट टू तो बनेगी ही।

क्या आप कभी सलार टाइप एक्शन करना चाहेंगी?

जी बिल्कुल। मैं फिजिकली फिट भी हूं। मैं जरूर चाहूंगी कि पर्दे पर दुश्मनों के छक्के छुड़ाती नजर आऊं। प्रशांत नील से इनसिस्ट करूंगी कि पार्ट टू में वो मुझे भी प्रभास जैसा एक्शन करने का मौका दें।

बॉलीवुड में काम करना चाहेंगी? मुंबई में रहना पसंद करेंगी?

मैं फिल्म इंडस्ट्री को डिवाइड नहीं करती। हालांकि सलार साउथ से बनी, मगर इस फिल्म को नॉर्थ में भी खूब प्यार मिला। आजकल सभी इस फिल्म के बारे में बातें कर रहें हैं। मुझे न सिर्फ हिंदी, बल्कि जहां कहीं से भी अच्छे रोल मिलेंगे, मैं जरूर करना चाहूंगी।

फरवरी में विजय देवरकोंडा संग सगाई करेंगी रश्मिका मंदाना

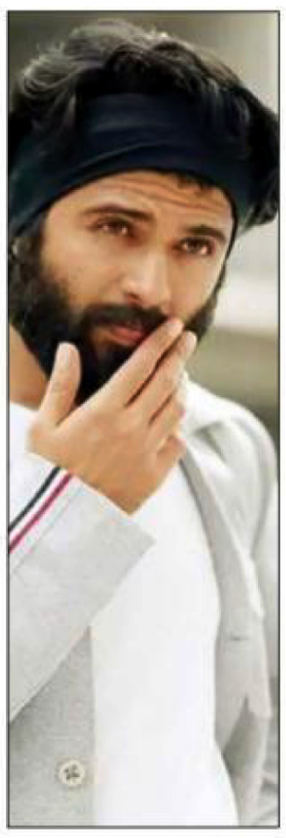

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना को गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड सहित कई फिल्मों में एक साथ देखा गया है। फिल्मों में उनकी केमिस्ट्री ने ऑनलाइन लाखों दिल जीते। प्रोफैशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ में भी दोनों में काफी अच्छी बॉन्डिंग है। दोनों को अक्सर कई जगह साथ देखा गया है जिससे उनकी डेटिंग अफवाहों के बारे में और अधिक अटकलें लगाई जाती हैं। वहीं अब खबर आ रही हैं कि नेशनल क्रश कही जाने वाली रश्मिका मंदाना विजय देवरकोंडा संग अपने रिश्ते को नया नाम देने जा रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना के घर शहनाई बजने वाली है। वे एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ घर बसाने की तैयारी में हैं। कहा तो ये भी जा रहा है कि रश्मिका और विजय फरवरी में सगाई कर सकते हैं। हालांकि सामने आ रही खबरों को लेकर किसी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। विजय और रश्मिका की पहली मुलाकात फिल्म गीता गोविंदम की शूटिंग के समय हुई थी। ऐसा कहा गया है कि इस फिल्म के समय ही दोनों कपल्स एक-दूसरे के नजदीक आए थे। काम की बात करें तो रश्मिका के लिए बीता वर्ष करियर के लिहाज से काफी खास रहा। संदीप रेड्डी वंगा के निर्देशन में बनी फिल्म एनिमल में उन्होंने रणबीर कपूर की पत्नी गीतांजलि के किरदार में दर्शकों का खूब दिल जीता। रश्मिका इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ पुष्पा 2 की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं विजय देवराकोंडा फैमिली स्टार में मृणाल ठाकुर के साथ नजर आएंगे।

जल्द ही इंडस्ट्री को छोड़ना चाहती हैं कंगना रनौत

कंगना रनौत सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। रनौत को अक्सर इंडस्ट्री के मुद्दों और फिल्मों पर अपनी राय देते देखा जाता है। इसी कड़ी में कंगना रनौत ने सोमवार को अपने पोस्ट से हर किसी को हैरान कर दिया। अभिनेत्री ने एक बयान देते हुए कहा कि वह अपनी फिल्मों के लिए पेड निगेटिविटी के कारण जल्द ही इंडस्ट्री को छोड़ने पर विचार कर रही हैं। अभिनेत्री का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर ताड़तोड़ वायरल हो रहा है। कंगना रनौत ने एक्स पर एक ट्वीट कर कुछ ऐसा लिख दिया, जिसे सोशल मीडिया यूजर्स रणबीर कपूर की हालिया रिलीज फिल्म एनिमल से जोड़कर देख रहे हैं। सोमवार को एक्स पर बोलते हुए, कंगना ने कहा कि दर्शक महिलाओं की पिटाई वाली फिल्मों को प्रोत्साहित करते हैं, जहां उन्हें जूते चाटने के लिए कहा जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उन लोगों के लिए भी हतोत्साहित करने वाला है, जो महिला सशक्तिकरण पर फिल्में बना रहे हैं। कंगना ने यह भी संकेत दिया कि वह अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ वर्षों को किसी सार्थक काम में लगाने के लिए फिल्मों से अपना करियर बदल सकती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने अक्षय कुमार, सलमान खान, रणबीर कपूर के साथ फिल्में करने से इनकार कर दिया, इसलिए नहीं कि उनसे उनका कोई व्यक्तिगत विरोध था।

अभिनेत्री ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि क्या दर्शकों को फिल्मों में महिलाओं को ऐसे चित्रित करने में कोई आपत्ति नहीं है। दरअसल, सोमवार को एक यूजर ने एक्स पर कंगना की फिल्म तेजस की तारीफ करते हुए लिखा, तेजस, जी 5 पर स्ट्रीम हो रही है। कंगना अभिनीत इतनी बेहतरीन फिल्म। समझ नहीं आ रहा कि फिल्म क्यों नहीं चली। करण जौहर और गैंग उनका करियर बर्बाद करना चाहते हैं। जरुर देखिये। इसे रीट्वीट करते हुए कंगना रणौत ने लिखा, मेरी फिल्मों पर पेड निगेटिविटी भारी पड़ती है।

शिल्पा शेट्टी ने ठुकराई थी रोहित की फिल्म गोलमाल

शिल्पा शेट्टी जल्द ही रोहित शेट्टी के निर्देशन और प्रोडक्शन में बन रही सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज के जरिए शिल्पा और रोहित शेट्टी पहली बार साथ काम करेंगे, हालांकि दोनों सालों पहले फिल्म गोलमाल में साथ काम कर सकते थे। शिल्पा ने बताया कि उन्हें 2006 की फिल्म गोलमाल ऑफर हुई थी, लेकिन बिग ब्रदर जीतने के बाद उन्होंने फिल्म ठुकरा दी थी। वहीं उन्होंने ये भी बताया है कि उनके और रोहित शेट्टी के पिता सालों पहले फिल्म यादों की बारात में साथ काम कर चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में शिल्पा ने बताया है कि सालों पहले रोहित शेट्टी ने उन्हें सुपरहिट फिल्म गोलमाल ऑफर की थी, लेकिन उन्होंने बिग ब्रदर जीतने के बाद वो फिल्म ठुकरा दी थी। शिल्पा ने कहा, मैं रोहित से कहती रहती थी कि हमारा साथ काम करना तय है। हम सालों पहले साथ काम करने वाले थे। उसने मुझे गोलमाल ऑफर की थी। लेकिन मैंने उस समय बिग ब्रदर जीता था और मैं ट्रैवलिंग में बिजी थी। लेकिन मैं बहुत दुखी हुई थी। जब आप किसी फिल्म को इतना सफल होते देखते हैं, तो आप चाहते हैं कि आप भी उस फिल्म में होते। लेकिन मुझे खुशी है कि अब हम इंडियन पुलिस फोर्स जैसे बेहतरीन प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं। इसी इंटरव्यू में शिल्पा शेट्टी ने ये भी बताया है कि उनके पिता सुरेंद्र शेट्टी और रोहित के पिता एम.बी. शेट्टी दोस्त थे। उन्होंने कहा है, मेरे पिता फिल्मों के दीवाने थे और उन्होंने यादों की बारात में रोहित शेट्टी के पिता को असिस्ट किया था। शेट्टी अंकल और मेरे पापा अच्छे दोस्त रहे हैं, मेरे पिता यादों की बारात और शायद फिल्म रफू चक्कर की एक्शन टीम का हिस्सा थे। बताते चलें कि कॉप ड्रामा सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स को खुद रोहित शेट्टी प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं सीरीज को रोहित और सुशांत प्रकाश मिलकर डायरेक्ट किया है। इस सीरीज में शिल्पा शेट्टी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म का प्रीमियर 19 जनवरी से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगा।

कोंकणा ने अपने अगले निर्देशन प्रोजेक्ट को लेकर बात की

बॉलीवुड में कोंकणा सेन शर्मा की अपनी एक अलग पहचान है। उन्होंने न सिर्फ अपनी अदाकारी से लोगों का दिल जीता, बल्कि अपनी निर्देशन क्षमता का भी लोहा मनवाया। कोंकणा ने साल 2016 में ए डेथ इन द गंज फिल्म से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म को न सिर्फ दर्शकों ने पसंद किया, बल्कि समीक्षकों ने भी इसे खूब सराहा। इसके बाद कोंकणा ने साल 2023 में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज 2 में द मिरर का भी निर्देशन किया। फिल्हाल कोंकणा अपनी अपकमिंग वेब सीरीज किलर सूप को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार में कोंकणा ने अपने अगले निर्देशन प्रोजेक्ट को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पास एक वेब सीरीज और एक फिल्म का आइडिया है, लेकिन वे उसे तब तक आगे नहीं बढ़ाना चाहती, जब तक की लह खुद उसको लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाती। कोंकणा ने कहा, मैं एक वेब सीरीज के आइडिया पर काम करने की कोशिश कर रही है। मेरे पास एक फीचर फिल्म के लिए भी एक आइडिया है, लेकिन मैं खुद पर कोई दबाव डालना नहीं पसंद करती। अगर यह अच्छा नहीं हुआ तो मै खुद इसे छोड़ दूंगी।

भाजयुमो ने युवाओं को दी 'नमो एप' की जानकारी

बबीता फोगाट व अंजली चौहान ने नमो एप डाउनलोड करवाए

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता युवा मोर्चा नोएडा महानगर ने युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व में नमो एप डाउनलोड करवाने के लिए सेक्टर 62 एवं नोएडा के विभिन्न कॉलेजों में युवा संपर्क अभियान चलाया। अभियान में मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री अंजलि चौहान की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक युवाओं से संपर्क करके उनके मोबाइल फोन में नमो ऐप डाउनलोड करवाया तथा उनका इसके अनेक लाभों से भी अवगत कराया।

कार्यकर्ताओं ने युवाओं को बताया की नमो ऐप के माध्यम से युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से संपर्क में रहते हुए अपनी बात उन तक पहुंचा सकते हैं अपने सुझाव उन तक पहुंचा सकते हैं तथा केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे अनेक विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की सीधी जानकारी भी उनको इस ऐप के माध्यम से मिल सकती है जिसको वह अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल्स पर शेयर कर सकते हैं और प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी कार्यों को जन-जन तक पहुंचने में सहभागी बन सकते हैं।

मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश की प्रभारी बबीता फोगाट ने नवमतदाताओं/युवाओं से भाजपा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं व मतदान की महत्वता पर चर्चा की तथा सभी युवाओं के मोबाइल फोन में नमो ऐप डाउनलोड करवाया।

भाजयुमो जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव,जिला महामंत्री अनुज प्रधान,जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जोगी, मीडिया प्रभारी अर्पित मिश्रा सुमित शर्मा,ललित हल्द्वानी, मंडल अध्यक्ष आकाश चौहान, कपिल धारीवाल, मंडल संयोजक शिवम सिसोदिया, शिवम पाठक, रोहित शर्मा, विकी दास उत्कर्ष मिश्रा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र में मतदाता को मिलेगा हर जवाब

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए ईवीएम प्रदर्शन केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं जिनके माध्यम से मतदाताओं को ईवीएम एवं वीवी पैट मशीन का उपयोग करके मतदान करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

नये वोटर कार्ड ठीक तरीके से डिलीवर नहीं कर रहा है डाक विभाग

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 1 जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने बैठक में बताया कि 27 अक्टूबर 2023 से 9 जनवरी 2024 तक प्राप्त फार्मों के निस्तारण की स्थिति के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि जनपद की तीनों विधानसभा क्षेत्र में कुल 60790 फॉर्म 6 प्राप्त हुए, जिनमें से 52914 फॉर्म स्वीकृत हुए एवं 3552 फॉर्म को अस्वीकृत किया गया। इसी प्रकार कुल 74843 फॉर्म 7 प्राप्त हुए, जिनमें से 66038 फार्म स्वीकृत हुए एवं 1491 फॉर्म अस्वीकृत हुए एवं 41810 फॉर्म 8 प्राप्त हुए, जिनमें से 37536 स्वीकृत हुए एवं 1680 फॉर्म अस्वीकृत किए गए।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी को बताया कि जिन नए मतदाताओं के पहचान पत्र बनवाए गए हैं, उनको डाक विभाग के द्वारा सही तरीके से डिलीवर नहीं कराया जा रहा, जिसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने डाक विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी पहचान पत्रों को सही ढंग से मतदाताओं तक पहुंचाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि आप लोग भी अपने बी एल ए के माध्यम से सुनिश्चित करा लें कि मृतक/डुप्लीकेट/शिफ्टेड व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में पंजीकृत न रहे। उन्होंने कहा कि बहुमंजिला भवनों में बनाए गए नए मतदाता स्थलों की सूचना मतदाताओं को देने में भी आप अपना सहयोग प्रदान करें एवं मतदेय स्थल संभाजन के कारण जिन मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में अगर सही पते पर या उपयुक्त बूथ नहीं है, तो उनका फॉर्म 8 भरवा कर सही मतदेय स्थल पर शिफ्ट करायें। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि आप भी अपने स्तर से मतदाताओं को जागरूक करें कि वोटर कार्ड को प्रिंट होने एवं उसे डाक से भेजने में कुछ समय लगता है, इसलिए मतदाता दोबारा से फॉर्म 6 ना भरे, बल्कि वोटर हेल्पलाइन, मोबाइल एप VHA, http://voters.eci.gov.in, नेशनल वोटर सर्विस पोर्टल http://www.nvsp.in द्वारा ई-ईपिक डाउनलोड कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि जनपद में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से ईवीएम प्रदर्शन केंद्र बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया जाएगा। आप भी इसके लिए अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक मतदाताओं को जागरूक करें।

जिलाधिकारी ने बैठक के उपरांत पत्रकार के साथ वार्ता करते हुए संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत वर्तमान तक प्राप्त फॉर्म की निस्तारण की स्थिति से अवगत कराया और बताया कि जनपद में मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से ईवीएम प्रदर्शन केंद्र की स्थापना जिला मुख्यालय, तहसील, अस्पताल तथा अन्य स्थान पर की जाएगी, जिसके माध्यम से मतदाताओं को ईवीएम एवं वीवीपैट मशीन का उपयोग करके वोट डालने के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा बैठक के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित किए गए ईवीएम प्रदर्शन केंद्र का भी शुभारंभ किया।

बैठक में समस्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, उप जिला निर्वाचन अधिकारी/अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

'ईमानदारी के कारण जेल गये संजय सिंह'

'आप' सांसद संजय सिंह के पिता ने गरीबों को बांटे कंबल

बुलंदशहर (चेतना मंच)। बुलंदशहर जनपद के अंतर्गत सिकंदराबाद के किले वाले मैदान में बुधवार को आम आदमी पार्टी के किसान प्रकोष्ठ ने कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद संजय सिंह के पिताजी दिनेश सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि संजय सिंह को ईमानदारी की वजह से जेल जाना पड़ा।लेकिन कोई घबराने की जरूरत नही है क्योंकि जीत हमेशा सत्य की ही होती है। उन्होंने दिव्यांग और गरीब लोगों को इस कड़कती ठंड में कंबल भी वितरित किये। किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कमांडो अशोक ने कहा कि संजय सिंह की गिरफ्तारी पूर्णतया राजनीतिक है।

कार्यक्रम में किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नीरज छोकर सहित पूरी कार्यकारिणी, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शकील मलिक,युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना, प्रदेश प्रवक्ता विकास शर्मा व संजीव निगम,बुलंदशहर के जिलाध्यक्ष एडवोकेट शैलेंद्र सिंह,विलासपुर नगर पंचायत के चेयरमैन संजय चेची,ऋषि सारस्वत,राम गुप्ता सहित काफी संख्या में पदाधिकारी व आम लोग उपस्थित रहे।

हार्ट अटैक की समय पर पहचान से बची जिला अस्पताल के डॉक्टर की जान

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के जिला अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में सर्जरी के दौरान मंगलवार की दोपहर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सतेंद्र कुमार को हार्ट अटैक आ गया। उन्हें अस्पताल की इमरजेंसी में ले जाया गया। जहां उनकी ईसीजी जांच के बाद जांच रिपोर्ट असामान्य होने के कारण उन्हें नोएडा के सेक्टर-137 फेलिक्स अस्पताल ले जाया गया है। जहां कार्डियोलॉजिस्ट विशेषज्ञों की देखरेख में उनकी एंजियोप्लास्टी ली गई।

डॉ. डी.के. गुप्ता
चेयरमैन, फेलिक्स अस्पताल

फेलिक्स अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता का कहना है कि सर्जरी के दौरान डॉ. सतेंद्र के के साथ नेत्र रोग विशेषत्र डॉ. हेमा भी मौजूद थी। उनकी सूझबूझ के कारण डॉक्टर को समय पर अस्पताल में भर्ती कराने के कारण जान बची है, क्योंकि डॉक्टर ने समय पर लक्षण की पहचान करके साथी डॉक्टर को इमरजेंसी में ले जाने में मदद की।

फेलिक्स अस्पताल के सीएमडी डॉ. डी.के. गुप्ता ने बताया कि हार्ट अटैक के शुरुआती लक्षणों की पहचान करना बहुत जरूरी है और जो लोग इन लक्षणों की पहचान नहीं कर पाते हैं, उनमें हार्ट अटैक होने का खतरा बढ़ जाता है। हार्ट अटैक से जुड़े कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके शुरुआती लक्षणों को अक्सर इग्नोर कर दिया जाता है और बाद में यही लक्षण हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थिति का कारण बन जाते हैं। हार्ट अटैक जैसी जानलेवा स्थितियों के खतरे को कम करने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करना और हार्ट हेल्दी डाइट लेना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी हार्ट से जुड़े शुरुआती लक्षणों की पहचान करना भी है। खासतौर पर सीने में महसूस होने वाले इन लक्षणों की पहचान समय रहते कर लेना बहुत जरूरी है, जिससे हार्ट अटैक जैसी गंभीर समस्याओं के आने से पहले ही उनका अंदाजा लगाया जा सकता है।

इन लक्षणों को इग्नोर ना करें

हार्ट अटैक से ठीक पहले ज्यादातर लक्षण छाती में ही देखने को मिलते हैं, इन्हीं में से एक लक्षण है छाती में जकड़न महसूस होना। इसे अंग्रेजी में चेस्ट टाइटनेस भी कहा जाता है, जिसमें सीने के अंदर कुछ कठोर सा महसूस होता है। इस लक्षण को लोग कई बार इग्नोर कर देते हैं। सीने के बाएं हिस्से में दर्द होने की स्थिति को गलती से भी इग्नोर नहीं करना चाहिए। ऐसा कई बार गैस के कारण भी हो सकता है और इस कारण से लोग इसे इग्नोर कर देते हैं, लेकिन इसे एक बार भी इग्नोर नहीं किया जाना चाहिए और जल्द से जल्द डॉक्टर से इस बारे में संपर्क कर लेना चाहिए। बिना किसी वजह के तेज पसीना आना, यदि आपको बैठे-बैठे, सोते समय या फिर कम गर्मी में भी अचानक तेज पसीना आने लगे, तो इसे हल्के में न लें, कई बार हार्ट अटैक से पहले शरीर से तेज पसीना आना इसका एक संकेत हो होता है। सर्जरी के दौरान डॉक्टर को तेज पसीना की शिकायत थी। साथी डॉक्टर ने लक्षण को पहचान कर जान बचाने में कामयाबी पाई है।

दुकान में आग लगने से मचा हड़कंप, लाखों का नुकसान

नोएडा (चेतना मंच)। भंगेल में एक बर्तन की दुकान में अचानक आग लग गई। आग लगने से आसपास के दुकानदारों हड़कंप मंच गया और पूरे बाजार में अफरा तफरी की स्थिति बन गई। फायर सर्विस के जवानों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा

भंगेल में हुआ हादसा

लिया। आग लगने से दुकान के भीतर रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। 20 कर्मियों ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। आसपास के लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। एहतियात के तौर पर आग बुझने के दो घंटे बाद तक फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी घटनास्थल पर मौजूद रही ताकि दोबारा से अगर चिंगारी भड़के तो आग पर तुंरत काबू पा लिया जाए। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। संभावना जताई जा रही है कि शार्ट सर्किट से आग लगी होगी। आग लगने से दुकान के भीतर रखा लाखों रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया।

कांग्रेस ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रपति से की मामले में हस्तक्षेप की मांग

नोएडा (चेतना मंच)। जिला गौतमबुद्धनगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं नोएडा महानगर अध्यक्ष राम कुमार तंवर के संयुक्त नेतृत्व में जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर को ज्ञापन दिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस सदस्यों ने भाग लिया। विषय था भाजपा के शासनकाल में मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बीएचयू की छात्रा के साथ जो गनपॉइंट पर निर्वस्त्र कर, शारीरिक शोषण खुद भाजपा के ही नेताओं द्वारा किया गया। यह सभी के लिये गाम्भीर चिंता का विषय है। लगभग दो महीने बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

कांग्रेस परिवार प्रदेश में आये दिन महिलाओं के प्रति होने वाली इस तरह की घटनाओं पर कड़ी आपत्ति जताता है और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध करता है कि अपनी चुप्पी तोड़ें और अपने इन तीनो नेताओं पर कड़ी कानूनी कार्यवाही करें। इस अवसर पर नोएडा महानगर अध्यक्ष रामकुमार तंवर, जिला अध्यक्ष दिनेश शर्मा, अजय चौधरी AICC सदस्य, फिरे सिंह नागर, हरेंद्र शर्मा, रिज़वान चौधरी, मुकेश शर्मा, कल्पना सिंह, राधा रानी, आनंद शर्मा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसोसिएशन ऑफ सर्जन नोएडा ने गरीब व असहाय लोगों को बांटे कंबल

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-31 स्थित गुंजन अस्पताल के पास सोमवार को एसोसिएशन ऑफ सर्जन नोएडा ब्रांच की ओर से गरीबों को कंबल वितरित किए गए।

एसोसिएशन ऑफ सर्जन नोएडा ब्रांच के अध्यक्ष डॉ वीपी सिंह ने 300 कंबल वितरित किए। कंबल वितरण में डॉ. विक्रांत चौहान, डॉ अजय चौहान, डॉ. तरुण, डॉ. जीपी गुप्ता,डॉ. बीके गुप्ता, डॉ. रविंदर कुमार, डॉ. एसके श्रीवास्तव, डॉ. राजेश कपूर, डॉ. सुधीर शर्मा का सहयोग रहा।

डा. वी.पी. सिंह ने कहा कि हमारा फर्ज है कि हमें जितना मिला है उसका कुछ अंश इस समाज को जरूर लौटाएं।

'22 जनवरी को उप्र व देश में सार्वजनिक अवकाश घोषित हों'

नोएडा (चेतना मंच)। समाजसेवी संस्था हेल्पिंग हैण्डस की अध्यक्ष रजनी कटारिया नें 22 जनवरी 2024 को पावन अयोध्या धाम में भगवान श्री राम के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य में भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से सार्वजनिक अवकाश घोषित करनें की पुरजोर अपील की है।

रजनी कटारिया ने कहा चूंकि दीपावली पर हर वर्ष सार्वजनिक अवकाश होता है परंतु 22 जनवरी को संपूर्ण भारत वर्ष में महादीपावली उत्सव मनाया जायेगा और सभी लोग रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा को लाईव टी वी पर देखना अपना सौभाग्य समझेंगे।

उन्होंने बताया कि इस प्रसारण एवं भव्य एवं दिव्य एतिहासिक पल को देश ही नहीं पूरी दुनिया निहारना चाहती है। इसलिए सरकार से अनुरोध है कि देश वासियों एवं सभी राम भक्तों की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित करें।